हिन्दी दैनिक

# आवाज प्लस

RNI. NO.: UPHIN/2008/25919

समाज में प्रभावी आगाज़

93356 93356 /dainikawazplus www.awazplus.com

वर्ष : 01, अंक : 157, पृष्ठ संख्या : 8, लखनऊ। गुरुवार 28 दिसम्बर 2023 ऑफर मूल्य ₹ 3/-

UPDATE >>

**राम मन्दिर- पेज 3**

'राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा का पूरे देश में उत्साह हर तरफ छाई खुशी

**रिपोर्ट- पेज 7**

हिमाचल में इस माह सामान्य से 79 फीसदी कम बरसे बादल

सभी जिलों में रहा सूखा

**खेल- 8**

जगरेब जाएंगे भारतीय पहलवान

ओलंपिक के साल में तैयारी पर होगा पूरा जोर

## एक नज़र

### निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से 30 लोग दबे, दो मजदूरों की मौत

**महराजगंज।** कोल्हुई थाना क्षेत्र के रुदलापुर गांव में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से 30 लोग दब गए। इस घटना में दो मजदूर की मौत हो गई है। महराजगंज जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कोल्हुई थाना क्षेत्र के रुदलापुर गांव में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से 30 लोग दब गए। इस घटना में दो मजदूर की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल है। मृतकों की पहचान नीरज (20) निवासी बेलवा खुर्द और दूसरा पिपरा परसीनी निवासी ऐश कुमार (25) के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई है।

### धमका कर महिला के साथ चार साल से कर रहा था दुष्कर्म, रिटायर्ड दरोगा गिरफ्तार

**देवरिया।** देवरिया जिले में सलेमपुर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को एक रिटायर्ड दरोगा के खिलाफ दुष्कर्म के मामले में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि मजबूरी का फायदा उठाकर कर रिटायर्ड दरोगा चार वर्षों से महिला के साथ दुष्कर्म करता रहा। जब भी महिला विरोध करती थी तो अपने को ऊंची पहुंच का बताते हुए जान से मारने की धमकी देता रहा। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उसके गांव के एक रिटायर्ड दरोगा ने झांसा में रखकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो जान से मारने की धमकी देने लगा। डरी सहमी महिला ने कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा को उजागर किया, तो आनन-फानन में कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

## इजराइल दूतावास विस्फोट

# संदिग्ध नजर आए दो युवक, दिल्ली में बढ़ाई गई सुरक्षा

आवाज प्लस डेस्क

**नई दिल्ली।** दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित इजराइल के दूतावास के पास मंगलवार शाम को हुए विस्फोट मामले में सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं. सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट से कुछ देर पहले दो युवकों को घटनास्थल के करीब सड़क पर चलते हुए देखा जा सकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने अब्दुल कलाम रोड और पृथ्वीराज रोड पर कई सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कड़ी करते हुए राष्ट्रीय राजधानी में गश्त बढ़ा दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ बुधवार को सुबह घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने पत्तियों व घास के नमूने एकत्र किए, जिसके बारे में उन्हें संदेह था कि इसमें विस्फोट में इस्तेमाल किए गए रसायन हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने चाणक्यपुरी स्थित दूतावास के पास विस्फोट के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भी सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इजराइल दूतावास और यहूदी प्रतिष्ठानों के आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों की निगरानी बढ़ाई गई है। घटनास्थल का दौरा करने वाले सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि चूंकि घटनास्थल पर विस्फोटक का कोई अवशेष नहीं मिला, इसलिए ''रासायनिक विस्फोट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से इजराइली राजदूत को ''अभद्र भाषा में संबोधित एक पत्र बरामद किया गया है. उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि फिंगर प्रिंट की पहचान के लिए पत्र को फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है। एक पुलिस सूत्र ने कहा, ''यह अंग्रेजी भाषा में लिखा गया एक पृष्ठ का पत्र है. इसके तार किसी 'सर अल्लाह रेजिस्टेंस नामक संगठन से जुड़े होने की आशंका है. पत्र में यहूदी, फलस्तीन और गाजा जैसे शब्द लिखे गए हैं। विस्फोट और पत्र बरामद होना दूतावास के समीप 2021 में हुए विस्फोट की याद दिलाता है जिसमें कुछ कारें क्षतिग्रस्त हुई थीं। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने उस मामले की जांच की थी।

### मामले में इस्राइल ने क्या कहा है?

**नई दिल्ली।** विस्फोट के बाद इस्राइली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागिरकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। घटना को लेकर इस्राइल ने कहा है कि यह आतंकी हमला हो सकता है। इस्राइल ने यहूदी और इस्राइली नागरिकों के लिए एजवाइजरी जारी की है और उन्हें संभावित खतरे से बचने के लिए आगाह किया गया है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि अगर कोई कहीं जाए तो अपनी पहचान आम लोगों के साथ साझा न करें और तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने में परहेज करें।

### धमाका करने वालों का मकसद क्या हो सकता है?

**नई दिल्ली।** पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें इस्त्राइल राजदूत को संबोधित करते हुए लिखा गया एक पत्र मिला है। सूत्रों ने बताया कि यह पत्र टाइप किया हुआ है जिसमें काफी अपमानजनक भाषा लिखी गई है। इसमें गाजा में इस्त्राइली कार्रवाई का

जिक्र किया गया है और बदले की बात भी लिखी गई है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि उन्हें एक या दो व्यक्तियों के शामिल होने का संदेह है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं और दूतावास वाले इलाके से मोबाइल फोन टावर डंप डेटा का विश्लेषण भी किया जा रहा है।

### पहले क्या घटनाएं घटी थीं?

**नई दिल्ली।** मंगलवार की घटना से पहले भी दो बार इस्त्राइली दूतावास को निशाना बनाया गया था। पहली घटना फरवरी 2012 में घटी, जब एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने इस्त्राइली दूतावास की टोयोटा इनोवा कार पर स्टिकी बम रख दिया था। इस घटना में वाहन में मौजूद अधिकारी और चालक घायल हो गए थे। उस समय पुलिस जांच में पाया गया था कि घटना के पीछे ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का हाथ था। जनवरी 2021 में भी इस्त्राइली दूतावास के पास कम तीव्रता का विस्फोट हुआ। हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना में इस्तेमाल आईडी के कारण सड़क पर एक गड्ढा हो गया था और आसपास खड़ी तीन कारें भी क्षतिग्रस्त हो गई थीं। सुरक्षा एजेंसियों को घटनास्थल पर इस्त्राइल दूतावास के राजदूत को संबोधित एक पत्र भी मिला था। पहले जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल कर रही थी जिसे बाद में एनआईए को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने कहा था कि यह हमला ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की कुद्स फोर्स शाखा द्वारा किया गया था।

# पीएम मोदी के आगमन पर त्रेतायुगीन वैभव के अनुरूप सुसज्जित होगी धर्मनगरी अयोध्या

आवाज प्लस डेस्क

**लखनऊ।** अयोध्या को त्रेतायुगीन वैभव के अनुरूप सुसज्जित किया जा रहा है। इसके लिए अयोध्या व आसपास के जनपदों के साथ ही पश्चिम बंगाल, मथुरा व सीतापुर के 700-800 कारीगर जुटे हुए हैं। रामनगरी को सुसज्जित करने में विदेशी फूलों से लेकर अशोक पत्ती, गेंदे की खुशबू तक का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर त्रेतायुगीन वैभव के अनुरूप रामनगरी सुसज्जित होने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पीएम के अभूतपूर्व स्वागत की तैयारी की जा रही है। देशी-विदेशी फूलों और तोरणद्वार के जरिए अयोध्या को दुल्हन की तरह तैयार किया जा रहा है। वहीं पुष्पवर्षा के जरिए पीएम के अभिनंदन की भी तैयारी की जा रही है। इस काम में अयोध्या व आसपास के जनपदों के साथ ही पश्चिम बंगाल, मथुरा व सीतापुर के 700-800 कारीगर जुटे हैं। यहां कोलकाता, कानपुर, दिल्ली, बेंगलुरु आदि स्थानों से फूल मंगाए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट बाईपास से फोरलेन धर्मपथ, साकेत पेट्रोल पंप हनुमानगढ़ी के रास्ते लगभग 9 किमी. से अधिक दूरी तय करने में दो दर्जन से अधिक तोरणद्वार बनाए जाएंगे। यहां रेलिंग डिवाइडर-मूर्तियों आदि को फूलों व बुके से सजाया जाएगा। पीएम के स्वागत के मद्देनजर अभूतपूर्व तैयारी की जा रही है। राममय अयोध्या के भव्य तोरणद्वार काफी शानदार होंगे।

अयोध्या के रहने वाले बालकृष्ण सैनी अपनी टीम के साथ काम में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि पीएम के स्वागत में देशी-विदेशी फूलों से अयोध्या महक उठेगी। लगभग 20 डीसीएम से अधिक फूल (अनुमानित 1,44,000 कुंतल) लगाए जाएंगे। इनमें कोलकाता से गेंदा की लड़ी, कानपुर व दिल्ली से अशोक की पत्ती, दिल्ली से कर फ्लावर व बेंगलुरु से विदेशी फूल आएंगे। इनमें आर्केड, इनथेरियम, कोनिया, कार्नेसन, टाटा रोज, स्टार, डेली, जरबेरा के साथ ही विक्टोरिया, सन ऑफ इंडिया, पैराग्रास, मनोकोमली, चाइना पत्ती, घोड़ापाम, एरिका पान आदि से सजावट की जाएगी। वहीं गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, कनेर, डहलिया आदि फूल से भी रास्तों को सजाया जाएगा।

सैनी के मुताबिक उनकी टीम के 700-800 कारीगर रात दिन एक हुए हैं। कारीगरों ने बताया कि सजावट उनका काम है, लेकिन यह अभूतपूर्व हो, ऐसी मन की आवाज है। पीएम मोदी व सीएम योगी ने अयोध्या को अलग ही पहचान दिला दी। इन दोनों का स्वागत करना हर किसी के मन में है। इस कार्य में मथुरा-वृंदावन के 250, सीतापुर के 250, पश्चिम बंगाल के 150 कारीगर, स्थानीय स्तर पर 75 कारीगर लगे हैं। पीएम के आगमन में महज तीन दिन शेष होने के कारण कार्य काफी तेज गति से किया जा रहा है।

## दिल्ली में होने लगी कोरोना की वापसी

# रोज हो रहे 400 आरटी-पीसीआर टेस्ट

आवाज प्लस डेस्क

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर कोरोना ने तेजी से पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। नए मामले सामने आते ही दिल्ली सरकार ने लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। इसके साथ ही राजधानी में आरटीपीसीआर टेस्ट भी शुरू कर दिए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, बीते मंगलवार को कोरोना के दो और नए मामले सामने आए थे। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि हमने दिल्ली में आरटीपीसीआर परीक्षण को शुरू कर दिया है। हर दिन 250 से 400 आरटीपीसीआर टेस्ट किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते दिन दिल्ली में दो नए मरीज मिले। फिलहाल, अभी अस्पताल में कुल चार से पांच मरीज भर्ती हैं। अभी तक किसी भी मरीज की संक्रमण की वजह से मौत नहीं हुई है।

दिल्ली में कोरोना के नो मामले हैं। इनमें से 8 मरीज ऑक्सीजन बेड पर भर्ती हैं। दिल्ली में कोरोना के सभी मरीजों के नमूने जिनोम अनुक्रम के लिए प्रयोगशालाओं में भेजे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक दिल्ली में हर दिन संक्रमण के औसतन 3-4 मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि सरकार कोरोना वायरस संक्रमण के संभावित प्रसार से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सभी अस्पतालों में जरूरत के आधार पर बिस्तर तैयार हैं। कोरोना महामारी एक बार फिर तेजी से पैर पसार रहा है। हर दिन नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि भारत में सिर्फ एक दिन में कोविड-19 के 529 नए मामले सामने आए हैं। इससे संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,093 हो गई है। वहीं, देश में जेएन.1 कोविड वेरिएंट के कुल 109 मामले सामने आए हैं। वर्तमान में जेएन.1 उप स्वरूप फैल रहा है, जिसकी आर वैल्यू यानी संक्रमण प्रसार की दर अधिक है। ऐसे में आशंका है कि क्रिसमस और नए साल की वजह से जनवरी पहले सप्ताह में दिखाई देने वाला उछाल उसके आगामी तीन सप्ताह और रह सकता है। इसके बाद ही कोरोना के ट्रेंड में किसी बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, अधिकारियों का यह भी कहना है कि कोरोना का नया उपस्वरूप कब तक आबादी में स्थिर रह सकता है, इसके बारे में अनुमान लगाना संभव नहीं है।

## सीएम योगी पहुंचे संगमनगरी

# माघ मेले और कुंभ की तैयारियों का लिया जायजा

आवाज प्लस डेस्क

**प्रयागराज।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनथ करीब चार घंटे की देरी से प्रयागराज पहुंचे। पुलिस लाइंस स्थित मैदान पर बने हेलीपैड पर करीब साढ़े तीन बजे योगी का हेलीकॉप्टर उतरा। इसके बाद वह संगम नोज पर पहुंचे और विधि विधान से गंगा का पूजन किया। इसके बाद कुंभ की तैयारियों समेत माघ मेले का व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनथ करीब चार घंटे की देरी से प्रयागराज पहुंचे। पुलिस लाइंस स्थित मैदान पर बने हेलीपैड पर करीब साढ़े तीन बजे योगी का हेलीकॉप्टर उतरा। इसके बाद वह संगम नोज पर पहुंचे और विधि विधान से गंगा का पूजन किया। इसके बाद वह अक्षय वट पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन भी कर सकते हैं। इसको लेकर सारी तैयारियां की गई हैं। इस दौरान योगी ने कुंभ की तैयारियों के साथ माघ मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने उन्हें विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर तमाम अधिकारी मौजूद रहे। सीएम योगी माघ मेले में चल रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे।इसके पूर्व हेलीकॉप्टर से उतरने पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद केसरी देवी पटेल, महापौर उमेशचंद गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, सतुआ बाबा आदि ने स्वागत किया।

सीएम योगी ने संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी का पूजन अर्चन कर आरती उतारी। सीएम योगी के आगमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त रहामाननीय मुख्यमंत्री योगी ने किला घाट, दशाश्वमेघ घाट के निर्माण कार्य एवं अक्षयवट, पातालपुरी व सरस्वती कूप कॉरिडोर आदि के कार्यों का निरीक्षण एवं समीक्षा की। मुख्यमंत्री के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव के अलावा लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी सहित सभी विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर आगमन के दौरान उनकी सुरक्षा में तीन हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती की जाएगी। सुबेदारगंज से लेकर संगम तक चप्पे-चप्पे पर जवान मुस्तैद किए जाएंगे। मुख्यमंत्री माघ मेले में सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की भी समीक्षा करेंगे, ऐसे में पुलिस विभाग देर रात तक तैयारियों में जुटा रहा।

मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान आरएएफ व पीएसी के जवानों की भी तैनाती की जाएगी। दोनों बलों को मिलाकर 20 कंपनियों को लगाया जाएगा। इसके अलावा 50 से ज्यादा राजपत्रित अधिकारियों को भी मुस्तैद किया जाएगा। इंस्पेक्टर, दरोगा, मुख्य आरक्षी व आरक्षी मिलाकर करीब 1500 पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया जाएगा। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के थानों की फोर्स भी वीआईपी ड्यूटी में लगाई गई है।

वीआईपी आगमन के मद्देनजर पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने मंगलवार शाम पुलिस लाइन में मातहतों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए। उधर मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व फ्लीट रिहर्सल भी हुआ। ब्रीफिंग में डीसीपी नगर दीपक भूकर, डीसीपी यमुनानगर अभिनव त्यागी, डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती, डीसीपी प्रोटोकॉल आशुतोष द्विवेदी समेत अन्य अफसर, कर्मचारी मौजूद रहे। संगम क्षेत्र में मुख्यमंत्री को संगम तट पर मां गंगा का विधि विधान से पूजन तीर्थ पुरोहितो ने कराया। आचार्य दीपू शास्त्री की देखरेख में पूजन किया गया। पं राजेंद्र पालीवाल, राजेश तिवारी, संतोष भारद्वाज, अमरनाथ तिवारी सहित 11 तीर्थ पुरोहित मौजूद थे। पूजन के बाद मुख्यमंत्री को प्रसाद देते समय तीर्थ पुरोहित राजेंद्र पालीवाल ने मांग किया कि संगम क्षेत्र में किसी भी उचित स्थान पर तीर्थराज प्रयागराज की एक विशाल प्रतिमा कराई जाए, जो सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में समस्त श्रद्धालुओं को दर्शन मिल सके। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा समय आने दे सब होगा।

# शिल्प, कला और संस्कृति का संगम ताज महोत्सव का आयोजन 18 से 27 फरबरी के बीच होगा कमिश्नर

संवाददाता

❖ परंपरागत आयोजनों व बॉलीवुड नाइट शो के साथ साथ इस बार स्टैंडअप कॉमेडी,हॉट एयर बैलून, काइट फेस्टिवल ,विंटेज कार शो,कार रैली, हाफ मैराथन,वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी,हॉर्स/बग्गी राइडिंग, पपेट शो, फ्लॉवर शो आदि होंगे प्रमुख होंगे आक

❖ताज महोत्सव प्रवेश टिकट शुल्क में नहीं होगी वृद्धि, अस्थाई स्टालों के आवंटन शुल्क की दरों में 10 प्रतिशत कीहोंगी बढ़ोत्तरी

❖शिल्पग्राम,सूरसदन,सदर बाजार, सेल्फी पॉइंट रामलीला ग्राउंड, फतेहपुर सीकरी में भी होंगे बड़े आयोजन, महोत्सव के राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रचार प्रसार को ली जाएगी एजेंसी से मदद

**आगरा।** मंडलायुक्त श्रीमती रितु माहेश्वरी की अध्यक्षता में ताज महोत्सव-2024 के भव्य आयोजन हेतु मंडलायुक्त लघु सभागार में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में ताज महोत्सव के स्थान चयन के विषय पर विचार विमर्श किया गया, जिसमें बड़े आयोजन को रामलीला ग्राउंड, आगरा फोर्ट तथा फतेहपुर सीकरी इन दो स्थानों को महोत्सव आयोजन का भी चयन किया गया। बैठक में ताज महोत्सव की थीम निर्धारण में विज्ञप्ति के माध्यम से आमजन से प्राप्त सुझाव पर इस हेतु बनी कमेटी द्वारा निर्धारण करने को मंडलायुक्त ने निर्देश दिए। बैठक में महोत्सव के आयोजन मे संभावित आय-व्यय पर विचार किया गया तथा विगत आयोजन के आय-व्यय की जानकारी करने पर अवगत कराया गया कि लगभग 3 करोड़ 64 लाख की आय तथा विभिन्न मद में लगभग 2 करोड़ 87 लाख व्यय हुआ है। बैठक में ताज महोत्सव में प्रवेश हेतु टिकट शुल्क पर भी विचार किया गया, मंडलायुक्त ने बैठक में सुझाव मांगे जिसमें प्रवेश टिकट शुल्क न बढ़ाए जाने पर सहमति बनी। बैठक में ताज महोत्सव के सफल आयोजन को मुख्य समितियों के साथ उप समितियों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।मंडलायुक्त ने ताज महोत्सव को व्यापक बनाने के लिए,प्रचार प्रसार को एजेंसी का चयन करने के निर्देश दिए। ताज महोत्सव को और अधिक व्यापक तथा भव्य बनाए जाने पर भी विचार विमर्श हुआ जिसमें परंपरागत हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम,फूड स्टॉल, स्थानीय सांस्कृतिक कलाकारों व बॉलीवुड नाइट शो के साथ साथ इस बार झूला पॉइंट्स को बढ़ाए जाने, स्टैंडअप कॉमेडी, हॉट एयर बैलून, काइट फेस्टिवल, विंटेज कार शो, कार रैली, हाफ मैराथन,वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी, हॉर्स/बग्गी राइडिंग, पपेट शो,फ्लॉवर शो आदि कार्यक्रम आयोजित कराए जाने तथा तदनुसार तैयारी करने को निर्देशित किया गया। बैठक में गुणवत्तापरक तथा और विविधता को उद्योग विभाग तथा अन्य संस्थानों व विभागों से समन्वय कर अच्छे उत्पादों की स्टॉल की व्यवस्था करने, व्यवस्थित पार्किंग हेतु विकल्पों तथा स्थानों के चयन को निर्देशित किया गया। मंडलायुक्त ने प्रायोजकों के चयन करने उनके माध्यम से महोत्सव समिति की आय बढ़ाए जाने, तथा महोत्सव की तैयारियों को समितियों का गठन कर सफल,व्यापक व भव्य ताज महोत्सव आयोजित कराने को निर्देशित किया। बैठक में पुलिस कमिश्नर डॉ.प्रीतिंदर सिंह, जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, एडीए उपाध्यक्ष चर्चित गौड़, संयुक्त निदेशक पर्यटन अविनाश मिश्रा, सीएमओ डॉ अरूण श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी नगर अनूप कुमार, मुख्य कोषाधिकारी श्रीमती रीता सचान आदि।

# महराजनगर चौकी के स्थानांतरण को रोकने को लेकर ग्रामवासियों ने उठाई मांग

कृष्ण मोहन मिश्र
राहुल/आवाज प्लस डेस्क

**सीतापुर ।** जनपद के थाना सकरन की ग्राम पंचायत महराज नगर में स्थित पुलिस चौकी जोकि आजादी के समय से महराज नगर ग्राम पंचायत में थी। प्रशासन के आदेश पर महोलिया दूसरी ग्राम सभा में जोड़ दी गयी है , जबकि महराज नगर ग्रामसभा अति संवेदनशील है। गाँव मे कई छोटी बड़ी ज्वेलर्स व अन्य दुकाने भी है , कई बड़े व्यापारी गांव मे व्यापार करते है। गाँव में राष्ट्रीय कृति बैंक शाखा के साथ कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं भी हैं। इससे पूर्व में हिन्दू मुस्लिम विवाद, चोरी व कई प्रकार की आपराधिक घटनायें भी घट चुकी हैं। ग्रामवासियों ने कहा कि यदि मांग पूरी न हुई तो सभी ग्रामवासी अनशन के लिए बाध्य होंगे। समाजसेवी शुभम रस्तोगी ने बताया कि पुलिस चौकी की जमीन 20 वर्ष पूर्व में ग्राम सभा द्वारा आवंटित कर दी गयी थी व लगभग 2000 इंटे व शौचालय भी पुलिस चौकी के नाम से बना है। श्री रस्तोगी ने कहा कि पुलिस चौकी न होने की वजह से गाँव की लगभग 7000 आबादी असहज महसूस कर रही है। इस मौके पर राम भूकंन , कृष्णाकांत बाजपेयी, चंद्र प्रकाश रस्तोगी, सोनू रस्तोगी, राम नरेश शुक्ला, अरुण कुमार शुक्ला, ललित, बृज किशोर, राज कुमार,विकास दीक्षित, रामनाथ, रामप्रसाद, राजन बाजपेयी, राकेश मिश्रा, नवनीत मिश्रा, संजय पांडेय, धीरज पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

## एक नज़र

### शीत लहर के चलते जिले स्कूलों में कल का अवकाश

**आगरा।** जिलाधिकारी भानू चंद्र गोस्वामी ने शीतलहर के कारण जिले के राजकीय, परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं बेसिक विद्यालय तथा समस्त बोडों से मान्यता प्राप्त माध्यमिक एवं परिषदीय विद्यालयों में कल का अवकाश घोषित किया जाता है। जिले के विद्यालयों द्वारा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।यह आदेश 28के लिए जारी किया गया।

### अयोध्या धाम जंक्शन के नाम से जाना जाएगा अयोध्या जंक्शन

**अयोध्या।** अयोध्या धाम जंक्शन के रूप में जाना जाएगा अयोध्या जंक्शन । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छा हुई पूरी । अयोध्या धाम जंक्शन के नाम से जाना जाएगा अयोध्या जंक्शन । भाजपा सांसद लल्लू सिंह ने सोशल मीडिया में जारी की सूचना । बीते दिनों अयोध्या जंक्शन का निरीक्षण करते हुए स्टेशन का नाम बदलने की सीएम योगी ने जाहिर की थी इच्छा । सोशल मीडिया के जरिए सांसद लल्लू सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी श्री वैष्णव को धन्यवाद दिया । अब अयोध्या धाम जंक्शन के नाम से जाना जाएगा अयोध्या जंक्शन । 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या जंक्शन रेलवे स्टेशन की नई बिल्डिंग का करेंगे उद्घाटन।

### अयोध्या सांसद लल्लू सिंह के पुत्र भाजपा नेता/कबड्डी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह के नेतृत्व में हुई तैयारी बैठक

**अयोध्या।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित जनसभा व रोड शो को लेकर बुधवार को भाजपा अयोध्या महानगर कार्यसमिति सदस्य/प्रदेश अध्यक्ष कबड्डी विकास सिंह ने पुरषोत्तम नगर, कर्पूरी ठाकुर, कृष्णा नगर और शिव नगर वार्ड में भाजपा के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। विकास सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार अयोध्या के समग्र विकास को संकल्पित है उसी क्रम में प्रस्तावित तिथि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या रेलवे स्टेशन व मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट, वन्दे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस और अन्य योजनाओं का उद्घाटन होगा। निश्चित ही अपार जनसभा से यह विशाल जनसभा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो ऐतिहासिक होगा। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष रवि सोनकर, पार्षदगण रमाशंकर निषाद व शिव कुमार, भाजपा कार्यकर्ता विजय प्रताप सिंह, लाल शुक्ला, अनुराग त्रिपाठी, पंकज कनौजिया, सुनील सेन, मुन्ना साहू, भगेलू कोरी, धर्मवीर निषाद सहित अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

### गोसाईगंज के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने लोगों को एकजुट किया

**अयोध्या।** गोसाईगंज नगर पंचायत कार्यालय में गोसाईगंज नगर एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग हुई । इस अवसर पर 30 दिसंबर को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का रोड शो सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई । बताया जाता है कि अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या रेलवे स्टेशन तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो होगा । इस दौरान गोसाईगंज के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप खब्बू तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 दिसंबर को अयोध्या दौरे पर आगमन के मद्देनजर तैयारी बैठक किया । इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के भव्य रोड शो,जनसभा में भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताक़त झोकेंगे. जिसकी पूरी तैयारी की जा रही है। इस रोड शो को देश का भव्यतम रोड शो बनाने की तैयारी होगी । लोकसभा चुनाव से पहले हिंदुत्व की राजनीति के केंद्र बिंदु अयोध्या में अपनी ताकत को दिखाएंगे। भाजपा कार्यकर्ता गोसाईगंज नगर से 51 छोटी गाड़ियां एवं तीन बस प्रधानमंत्री के रोड शो में ले जाने बात पूर्व विधायक खब्बू तिवारी ने कहा हैं।

### संदीप कुमार साह बने एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ऑफ इंडिया के मण्डल प्रेसिडेंट

राज नाथ सिंह

**रेणुकूट सोनभद्र।** एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ऑफ़ इंडिया ट्रस्ट सोनभद्र टीम के क्राइम सेल प्रेसिडेंट संदीप कुमार शाह जी को समाज में सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस, प्रशासन एवं जनता के सपोर्ट में खड़े रहने हेतु एवं उनके उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुऐ नेशनल डायरेक्टर श्री राजेश विश्वकर्मा जी के अध्यक्षता मे संदीप कुमार शाह जी को (क्राइम सेल मीरजापुर मंडल प्रेसिडेंट) बनाया गया

# इटावा की टॉप इंस्टाग्राम स्टार मॉडल अशिवि यादव यादव की 1 मिलियन फॉलोअर की पार्टी में शामिल हुए इंस्टाग्राम स्टार व यूट्यूबर

❖ लखनऊ की सिमरन यादव समेत 100 से अधिक इंस्टाग्राम स्टार ने इटावा आकर अशिवि को दी बधाई।

सुघर सिंह सैफई/आवाज प्लस

**इटावा।** लखनऊ की सिमरन यादव समेत कई इंस्टाग्राम स्टारों व यूट्यूबरों ने इटावा की टॉप इंस्टाग्राम स्टार अशिवि यादव के इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन फॉलोवर पूरे होने पर बधाई दी। इस मौके पर 50 से अधिक केक काटकर जश्न मनाया गया। अशिवि यादव ने बहुत ही कम समय में देश भर में नाम कमाया है। देश की प्रसिद्ध जी म्यूजिक कंपनी द्वारा भी अशिवि यादव का एक गाना रिलीज किया जा चुका है जिसकी पूरी शूटिंग विदेश में हुई थी उस गाने को भी 1 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इटावा जनपद के फ्रेंड्स कॉलोनी में कल शाम 1 मिलियन फॉलोअर पूरी होने की खुशी में अशिवि यादव द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। जिसका समापन शाम हो हुआ उसके बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को 1 मिलियन की पार्टी का आयोजन रहा पार्टी में शामिल होने के लिए अशिवि यादव के सैकड़ो फैंस केक लेकर के पहुंचे थे अशिवि ने किसी को निराश नहीं किया और सभी फैंस के साथ मिलकर केक काटकर आभार जताया। और कहा कि इंसान को कभी फॉलोवर बढ़ने पर घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि फैंस ही हम कलाकारों को आगे बढ़ाते हैं। इस 1मिलियन की पार्टी में अभी हाल ही में दुबई से सम्मानित होकर लौटी सिमरन यादव भी अपनी मां के साथ पहुंची थी इस मौके पर सिमरन यादव ने कहा कि इटावा जिले से उनका बहुत गहरा रिश्ता है यहां लाखों मेरे फेन्स है जो मेरे वीडियो देखते है और मुझसे जुड़े है। सिमरन यादव से मिलने के लिए भारी भीड़ मौजूद थी। और फेन्स ने सिमरन यादव के साथ वीडियो रील्स भी बनाई। इस मौके पर निखिल अवस्थी, संजना राजस्थान, आर्यन बाबू मक्खनपुर, पायल यदुवंशी, अन्नू यादव, आदि मौजूद रही।

### विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेतृत्व में होने वाले विशाल शोभा यात्रा

राज नाथ सिंह

**रेणुकूट सोनभद्र।** आज दिनांक 27/12/2023 को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेतृत्व में होने वाले विशाल शोभा यात्रा की महत्वपूर्ण बैठक सफल हुए बैठक में शोभा यात्रा के प्रारूप को लेकर चर्चा की गई प्रारूप में प्रभु श्री राम दरबार प्रभु श्री राम सीता माता की झांकी एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई बैठक में विषेश रूप से जिला प्रचारक श्री मान मनीष जी भाई साहब का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ एव विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह जी द्वारा सभी को अपना अपना दायित्व सौंपा गया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद के प्रान्त सहसमरसता प्रमुख श्री राजेश सिंह जी ने सबको दिशा निर्देश देते हुए सबसे आग्रह किए की भारी से भारी संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को सफल बनाएं श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के सयोंजक श्री वीर बहादुर सिंह जी तथा नगर कारवां आन्नद जी पुनित जी ,जय प्रकाश जी, नगर के सभी बस्ती और उप बस्ती प्रमुख तथा मातृशक्ति के साथ साथ पुरा विचार परिवार उपस्थित रहा।

# गीत- संगीत और नृत्य से बांधा समा

संवाददाता

**रामनगर (वाराणसी)।** स्थानीय श्रीराम जानकी वाटिका में आयोजित एक भव्य समारोह में किडजी माउन्ट लिटेरा जी स्कूल का7वाँ वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया । विद्यालय के डायरेक्टर आनंद पाण्डेय एवं सवित्री पाण्डेय ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारे आयुष मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डा दया शंकर मिश्रा का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम भेंट करके स्वागत किया । विद्यालय प्रबंधक आशुतोष पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया। तत्पश्चात् दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भारतीय संस्कृति एवं परम्परानुसार विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके हुआ। वार्षिकोत्सव पंचमहाभूत शीर्षक पर आधारित था, जिसमें यह दर्शाया गया है कि मनुष्य प्रकृति की संरचना है। यह प्रकृति पंचतत्वों- पृथ्वी, जल, पावक, गगन, समीर से संचालित होती है। इनका संतुलन ही मनुष्य के जीवन के संतुलन को बनाए रखता है। इसी को आधार मानकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्रमशः पंचमहाभूत तत्वों के मूल्य को नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने पौराणिक कथाओं के साथ-साथ मानव जीवन में प्रकृति के मूल्य को दर्शाया। बाल कलाकारों द्वारा दर्शकों को यह सीख दी गई कि हम प्रकृति की और प्रकृति हमारी धरोहर है इसका दोहन न होने दें। पर्यावरण के संरक्षण में अपना योगदान दें। भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए पौराणिकता को आधार मानकर मंचन किया गया। कलात्मक प्रस्तुति में विद्यार्थियों की शास्त्रीय सामूहिक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों के मन को मोह लिया। संपूर्ण विद्यालय उत्सव के भावों से ओतप्रोत रहा। प्रिसिन्पल श्रीमती मंजू शर्मा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें विद्यालय की प्रगति व विद्यार्थियों की अनेकानेक गतिविधियों को दर्शाया गया। कक्षा चार के छात्र हर्षित एवं टीम ने शेक्सप्रियर पर नाटक प्रस्तुत किया ।छोटी छोटी बच्चीयों ने महाराष्ट्र का प्रसिद्ध लवणी नृत्य मै कोल्हापुर से आयी की प्रस्तुति की । बच्चो ने मार्शल आर्टस का सुन्दर तरीके से प्रस्तुतिकरण किया ।महान सम्राठ पृथ्वीराज की वीरता एवं शब्दभेदी बाण चलाने की कला को भावपूर्ण प्रर्दशन नाटक के माध्यम से किया गया । वही पैरेन्टस के लिये आयोजित कम्पटीशन में अनुराधा पाण्डेय ने जीत दर्ज की ।

कार्यक्रम की सराहना करते हुए श्री डा दया शंकर मिश्रा ने कहा कि पौराणिकता व प्रकृति संरक्षण पर आधारित प्रस्तुतियाँ एक अलग संदेश दे रही हैं, जिससे मानव-समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि स्कन्द गुप्ता ने विद्यार्थियों की संवाद योजना व वेशभूषा की सराहना की। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती ज्योति पाण्डेय ने आए हुए अतिथियों व कार्यक्रम समन्वय के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर रामनगर थानाध्यक्ष भरत उपाध्याय, अर्बन स्कूल के डायरेक्टर स्कन्द गुप्ता, डा राघवेन्द्र प्रताप सिंह, डा मधुकर पाण्डेय, चन्दन यादव व भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मणिशंकर सिन्हा, राष्ट्रीय महासचिव मस्तराम मिश्रा, मनोज कुमार, संजय श्रीवास्तव, डा अजीत कुशवाहा तथा विश्व हिन्दू महासभा विंध्याचल मण्डल के प्रभारी उमेश ओझा, रमन वर्मा अन्य गणमान्य पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावकगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ व कर्मचारीयों के साथ साथ सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# इटावा में बौद्ध धर्म के अनुयाइयों द्वारा मनाया गया तृतीय पारम्परिक बौद्ध महोत्सव

सुघर सिंह सैफई/आवाज प्लस

**इटावा।** इटावा में बौद्ध धर्म के अनुयाइयों द्वारा तृतीय पारम्परिक बौद्ध महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बौद्ध धर्म के अनुयाइयों द्वारा इटावा में मां लक्ष्मी उत्सव गार्डन भरथना रोड इटावा में बौद्ध महोत्सव समारोह का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूज्य भंते बुद्धरत्न भिक्खु संघ ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्चन व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वही गौतमबुद्ध नगर से मुख्य वक्ता के रूप में आए एडवोकेट सूरजपाल ने कहा कि इटावा क्षेत्र भगवान बुद्ध के इतिहास को लेकर काफी चर्चित है। इसके प्रमाण भी मिले हैं और इस स्थान का नाम इतिहास में भी दर्ज है। सर्वप्रथम बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर काशीराम साहब पहली बार सांसद इटावा जनपद से हुए बहुजन समाज पार्टी का इतिहास इटावा के लोगों ने शुरू किया था । यह क्षेत्र पहले से ही वह बौद्ध अनुयाई एवं राजनीतिक क्षेत्र है इटावा जनपद का नाम पहले इष्टिकापुरी था इतिहास में इटावा जनपद यमुना नदी व चंबल की घाटी के नाम से मशहूर था उन्होंने कहा कि आज के दिन भगवान बौद्ध धर्म की घोषणा की थी जिसको लेकर हम सभी बौद्ध अनुयाई बौद्ध महोत्सव के रूप में मना रहे हैं । यह महोत्सव देश में प्रत्येक वर्ष होना चाहिए। साथ ही साथ इस इटावा जैसी पावन धरती को और मजबूत करना है। वही कार्यक्रम में डांस गाने एवं पंचशील म्यूजिकल ग्रुप कौशांबी के गायक अश्वनी बौद्ध ने बाबा साहेब व भगवान गौतम बुद्ध के सुंदर भजनों से दर्शकों का मन मोह लिया। तथा कार्यक्रम में कौशांबी के कलाकार अश्वनी बौद्ध सहित अन्य कलाकारों को समिति द्वारा स्मृति चिह्न एवम पंचशील पट्टी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन खेमानंद गौतम एवं रामनरेश आजाद जी ने किया वही कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय समीर दोहरे जी ने की। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए सभी बौद्ध अनुयायियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सराहना की। वही कार्यक्रम का आयोजन परम श्रद्धेय खेमानन्द बौद्ध एवं उनकी धम्म पत्नी श्रद्धेया किरन बौद्ध ने किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता एडवोकेट सूरजपाल, विशिष्ट वक्ता भीम दूत विनोद बौद्ध ,सी.एस. सम्यक, उमेश प्रताप दिनकर, अशोक कुमार गौतम, हरि भूषण राव, सर्वजीत आर्या, रामनरेश गौतम, आर. एस .बौद्ध, इंजी.मानसिंह गौतम ,बृजेंद्र सिंह ,महेश चंद्र बौद्ध, संजीव कुमार सर्वेश कुमार शिरोमणि, आर.एन.आजाद, एस .सी बॉस ,अश्वनी कुमार गौतम, जितेंद्र शाक्य,डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, आर . आर .बाजपेई, हर्षवर्धन बौद्ध सहित कई सैकड़ो बौद्ध अनुयाई मौजूद रहे।

# सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत जागरुकता अभियान

## सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरुक

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त यातायात ह्रदेश कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय हाई स्कूल, जुग्गौर में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या मधु यादव, मानवाधिकार जन सेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने स्कूल के बच्चों को यातायात के नियमों के बारे में जानकारी दी। साथ ही यातायात सिगनलों एवं संकेतकों से परिचय कराया गया। बच्चों को हेलमेट ना लगाने तथा सीट बेल्ट ना लगाने से दुर्घटना होने की स्थिति में उन्हें व परिवार को होने वाली परेशानियों के सम्बन्ध में जानकारी दी। ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क से प्रशिक्षक सुमित मिश्रा ने बच्चों को यातायात नियमों, सड़क चिन्ह, ड्राईविंग लाईसेंस व आई टी एम एस से सम्बंधित विस्तृत जानकारी दी। वाहन चलाते समय सड़कों पर लगे मार्ग संकेतों के सम्बन्ध में विस्तार से समझाया। बच्चों से यातायात से सम्बंधित प्रश्न पूछे गए तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को मानवाधिकार जनसेवा परिषद के द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 60 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल रहे। कार्यक्रम में स्कूल की प्रधानाचार्या मधु यादव, ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क के सुमित मिश्रा, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, रेखा शर्मा, आशा सिंह, शिखा दीक्षित, स्कूल की शिक्षिकाएं श्रद्धा पाण्डेय, मिली जैन, स्वाती पाठक, नम्रता श्रीवास्तव, प्रियंका सिंह कनिष्ठ सहायक प्रकाश चन्द्र करनेती, कविता वर्मा सहित अन्य कई लोग शामिल रहे।

## सड़क सुरक्षा पखवाड़ा- छात्रों- छात्राओं प्रोफेसर व स्टाफ को बताए यातायात नियम

आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त यातायात ह्रदेश कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, कुर्सी रोड, लखनऊ में छात्रों- छात्राओं, प्रोफेसर व स्टाफ के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षक के रूप में ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, लखनऊ से पंकज शर्मा ने सड़क चिन्ह, ट्रैफिक लाइट, ड्राइविंग लाइसेंस संबंधित जानकारी दी तथा मारुति ड्राइविंग स्कूल से एहतेशाम ने हेलमेट के सही उपयोग व दुर्घटनाओ से बचाव की जानकारी दी। मुख्य अतिथि यातायात निरीक्षक बिपिन पांडेय रहे, जिन्होंने बड़े ही व्यवहारिक ढंग से सड़क के सही उपयोग तथा यातायात के नियमों विस्तृत की जानकारी दी और सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का आयोजन डीन स्टूडेंटस वेलफेयर डा0 मुनव्वर आलम खालिद व टीम के द्वारा आयोजित कराया गया। कार्यक्रम में हीरो मोटोकॉर्प के डीलर गोयल मोटर्स के शोरूम मैनेजर अतुल सिंह के द्वारा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्नों के सही जवाब देने वाले को पुरस्कार व हेल्मेट दिया गया और दो पहिया वाहन का डेमो भी दिया गया। अन्त में अतिथियों को यूनिवर्सिटी का मोमेंटो दे कर सम्मानित किया गया।

## एक नज़र

### सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा...जब भाजपा प्रवक्?ता राकेश त्रिपाठी बोले ये सैम पित्रोदा का असली नाम है

- भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कांग्रेस नेता सैम पित्रौदा पर पलटवार किया है
- कांग्रेस के थिंक टैंक सैम पित्रौदा ने पीएम मोदी के मंदिर जाने पर सवाल उठाए हैं
- राकेश त्रिपाठी का कहना है कि कांग्रेसी होने के लिए हिंदुत्?व को गाली जरूरी है

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस के नेता सैम पित्रौदा ने राम मंदिर के उद्घाटन से पहले कई सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश का प्रधानमंत्री मंदिरों को ज्?यादा समय दे रहा है। 10 सालों में उसने एक भी प्रेस कॉन्?फ्रेंस नहीं किया। यह बहुत गंभीर बात है।

**भाजपा का सैम पर पलटवार**

कांग्रेस के थिंक टैंक सैम पित्रौदा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर में अधिक समय दे रहे हैं। एक देश का पीएम 10 साल तक प्रेस कॉन्?फ्रेंस नहीं करता, ये बात मुझे परेशान करती है। उन्?होंने अगला चुनाव देश की नियति तय करेगा। अब भाजपा ने सैम पित्रौदा पर पलटवार किया है। उत्?तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्?ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि सैम पित्रोदा को प्रधानमंत्री के मंदिर जाने पर आपत्ति है, प्रभु राम के मंदिर बनने से आपत्ति है। सैम पित्रोदा का असली नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा है। कांग्रेसी होने के लिए हिंदुत्व को गाली देने का सर्टिफिकेट आवश्यक है। बुधवार को जारी वीडियो संदेश में राकेश त्रिपाठी ने कहा- सैम पित्रोदा को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंदिर जाने पर आपत्ति हो रही है। राम मंदिर बनने से बौखलाहट हो रही है। सत्?यनारायण गंगाराम पित्रोदा जब सैम पित्रोदा हो जाते हैं न तो ये समस्?या पैदा होती है। देश से बाहर जाकर अपने मूल्?यों को भूल जाना, आध्?यात्मिक शक्ति को भूल जाना, अपने नाम में जिसने परिवर्तन कर लिया उससे आप अपेक्षा भी क्?या कर सकते हैं। कांग्रेसी होने के लिए मूल शर्त यही है कि भारत के भावों को नकार दीजिए। भारत की आध्?यात्मिक शक्ति को भुला दीजिए। और कैसे तुष्टिकरण में आकंठ डूब जाइए। भारत के हिंदुत्?व को अपमानित करने का प्रयास कीजिए।

**राम मंदिर शुभारंभ से पहले कांग्रेस के सवाल**

आपको बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्?या में भव्?य राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। एक बड़े समारोह के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्?ठा की जानी है। इसके लिए हजारों मेहमानों को बुलाया गया है। इस कार्यक्रम से पहले कांग्रेस के वरिष्?ठ नेता सैम पित्रोदा ने कई सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश का असली मुद्दा राम मंदिर है या बेरोजगारी और महंगाई। कभीकभार मंदिर जाना ठीक है लेकिन आप उसे मुख्?य मंच नहीं बना सकते।

### करवाचौथ के अलावा महिला शिक्षकों को दो और ऑफ, माध्यमिक स्कूलों का छुट्टी कैलेंडर देखिए




संवाददाता

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक स्कूलों में अगले साल की छुट्टी कैलेंडर के मुताबिक कुल 118 छुट्टियां हैं। इनमें ग्रीष्मावकाश और रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। होली पर दो छुट्टी रहेगी। इनके अलावा तीन छुट्टियां प्रिसिंपल दे सकेंगे। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में अगले साल की छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक महेंद्र देव की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार महिला शिक्षक करवाचौथ के अलावा साल में दो अन्य व्रत त्योहारों में छुट्टियां ले सकेंगी। ये छुट्टियां कॉलेज के प्रिंसिपल स्वीकृत करेंगे। माध्यमिक विद्यालयों में विवाहित महिलाओं के लिए करवाचौथ व्रत की छुट्टी रहती है। अलग-अलग क्षेत्रों में मनाए जाने वाले व्रत त्योहारों जैसे हरितालिका तीज/हरियाली तीज, संकटा चतुर्थी, हल षष्ठी/ललई छठ, जीउतिया व्रत/अहोई अष्टमी जैसे त्योहारों के लिए पिछले साल कैलेंडर में कोई जिक्र नहीं था। बाद में मांग उठने पर अलग से आदेश कर इन त्योहारों पर छुट्टियां घोषित की गई थीं। इस साल कैलेंडर में ही इन छुट्टियों का जिक्र कर दिया गया है। करवाचौथ पर पहले की तरह ही छुट्टी रहेगी। अन्य व्रत त्योहारों पर किन्हीं दो पर महिला शिक्षको को छुट्टी मिल सकेगी। ग्रीष्मावकाश 21 मई से 30 जून तक 41 दिन का होगा। ग्रीष्मावकाश, रविवार और अन्य छुट्टियां मिलाकर साल में कुल 118 अवकाश होंगे। बोर्ड परीक्षाएं 15 दिन चलेंगी। साल में 233 दिन पढ़ाई होगी। इनके अलावा तीन छुट्टियां स्कूल के प्रिंसिपल अपने विवेक से दे सकेंगे, लेकिन उसकी सूचना डीआईओएस को देनी होगी। होली पर दो और दीपावली पर गोवर्धन पूजा व भैया दूज सहित तीन दिन की छुट्टी होगी। महापुरुषों के जन्म दिवसों पर उनके योगदान के बारे में बच्चों को बताया जाएगा।

## मण्डल रेल प्रबन्धक की अध्यक्षता में आयोजित की गई संरक्षा संवाद संगोष्ठी

संजीव श्रीवास्तव/आवाज प्लस डेस्क

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय के बहुउद्देशीय हाल में आज मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार की अध्यक्षता में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा) राजीव कुमार तथा वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी डॉ शिल्पी कन्नौजिया व शाखाधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संरक्षा संवाद संगोष्ठी के आरम्भ में मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार ने ट्रेन संचालन के दौरान लखनऊ मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग के 'फ्रंटलाइन स्टाफ' ट्रैकमैन, कीमैन तथा मेट आदि कर्मचारियों के साथ उनकी ट्रैक पेट्रोलिंग के दौरान आने वाली दिक्कतों व उनकी संरक्षा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा संरक्षा नियमावली के उपयोग के सम्बन्ध पर विस्तार से चर्चा की गयी। मण्डल रेल प्रबन्धक ने उपस्थित शाखाधिकारियों एवं उपस्थित ट्रैक मैन्टेनरों से संवाद स्थापित करते हुए उनसे कार्य की स्थिति में तथा ट्रैक अनुरक्षण के दौरान आने वाली दिक्कतों तथा समग्र संरक्षा में सुधार के लिए उनके सुझावों पर सार्थक विमर्श किया। उन्होंने ट्रैकमैन, कीमैन तथा मेट आदि कर्मचारियों से अनुरक्षण के दौरान संरक्षा सावधानियों के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार ने उपस्थित रेलवे ट्रैक मैन को ट्रेन संचलन के दौरान हमेशा सतर्क रहने और निर्धारित संरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन करने की निर्देश दिया। उन्होने कहा कि ट्रैक मैन्टेनर भारतीय रेलवे की रीढ़ है। रेलपथ की संरक्षा एवं सुरक्षा आप के कन्धो पर है। आप स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखें जिससे डियूटी के दौरान रेलवे संरक्षा का पालन सुनिश्चित किया जा सके। लाइन पर कार्य करते समय अपनी तथा अपने सहकर्मियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। उन्होने उपस्थित रेल कर्मियों को कार्यालयी संबंधी कार्यो के निपटान हेतु सेक्शन के हित निरीक्षकों को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मण्डल के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (पीवे) अपने अधीन ट्रैक मैन, कीमैन, मेट स्टाफ की निरंतर काउंसिलिंग करें। इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय), वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (द्वितीय), वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (तृतीय), वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (सा), मण्डल कार्मिक अधिकारी, सहायक मण्डल संरक्षा अधिकारी तथा अन्य अधिकारी व परिचालन, सिगनल, इंजीनियरिंग, विद्युतकर्षण, यांत्रिक के संरक्षा सलाहकार व यातायात निरीक्षक व

### लखनऊ हाईवे हो सकता है बंद, संपर्क मार्गो पर बैरिकेडिंग की तैयारी

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दिन 30 दिसंबर को सुरक्षा की दृष्टि से लखनऊ-गोरखपुर हाईवे बंद किया जा सकता है। रामपथ पर नयाघाट से श्रीराम अस्पताल तक सड़क के दोनों ओर के संपर्क मार्गो पर बैरिकेडिंग की जाएगी। एसपीजी और प्रशासनिक अफसरों ने संभावित कार्यक्रम स्थलों, एयरपोर्ट से अयोध्या रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्गों का निरीक्षण किया है। प्रधानमंत्री एयरपोर्ट से अयोध्या तक किस रास्ते से आएंगे व वापस जाएंगे, इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियां मंथन कर रही हैं। संभावना है कि हाईवे से धर्मपथ होकर रामपथ से प्रधानमंत्री अयोध्या रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। इस वजह से लखनऊ-गोरखपुर हाईवे बाराबंकी से अयोध्या सरयू पुल तक बंद किया जा सकता है। वहीं अयोध्या पुलिस ने श्रीराम अस्पताल से रेलवे स्टेशन तक की करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर सड़क के दोनों ओर दुकानदारों को अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए हैं।

## रात्रि जागरण में हुई मनमोहक झांकियो की प्रस्तुति सुंदर भजनों ने श्रद्धालुओं का मोह लिया मन

संवाददाता /प्रभाकर शुक्ला

महोली (सीतापुर)। महोली क्षेत्र के शिव मन्दिर बसवैं, भुड़कुड़ी, में आयोजित रात्रि जागरण में राजेश दुर्गा जागरण पार्टी खुदागंज (शाहजहांपुर) एण्ड छ्रक्र महाकाल झांकी ग्रुप (बाराबंकी) द्वारा मनमोहक झांकियां प्रस्तुति की गई। मुख्य आयोजक सतीश गुप्ता के द्वारा जगराता की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर गणेश वंदना के साथ भजन व सुंदर झांकियों की प्रस्तुति के साथ रात्रि जागरण का शुभारंभ हुआ। शिव मंदिर परिसर में कलाकारों ने मनमोहक झांकी गणेश नृत्य, सुदामा चरित्र, बरसाने की होली, शिव तांडव, कृष्ण राधा सहित अन्य मनमोहक झाकियां प्रस्तुति की। इस अवसर पर मुख्य आयोजक सतीश गुप्ता ने बताया कि धर्म कार्य क्षेत्र होने से लोगों को संस्कृति व संस्कार का ज्ञान होता है। जिससे आने वाली पीढियों को संस्कृति का बोध होता है। आयोजक सतीश गुप्ता ने जगराता में आए हुए समस्त ग्रामवासी क्षेत्रवासी एवं अतिथियों भक्तों का आभार व्यक्त किया। सुंदर मनमोहक झांकियां एवं बरेली से सिंगर राधिका , सिंगर महेंद्र शुक्ल बरेली वआगरा से आई हुई सिंगर मंजू सहित आए हुए सिंगरों द्वारा भजनों की सुंदर प्रस्तुतियों ने शिव मन्दिर परिसर जागरण पंडाल में बैठे हुए सभी भक्तों श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जय माता दी हर हर महादेव के उद्घोष से जागरण पंडाल गुंजायमान हो गया।

## अब सभागारों में कार्यक्रम करना महंगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आम और खास सभी को सभागारों को किराये पर लेने के लिए अब अधिक धनराशि देनी होगी। सभागारों और भवनों की बढ़ी हुई नई दरें वित्त समिति से पास होने के बाद अब कार्यपरिषद से भी अनुमोदित हो गई हैं। जल्द ही इन्हें लागू करने का औपचारिक आदेश भी जारी कर दिया जाएगा। लविवि प्रशासन लंबे समय से सभागारों व अन्य स्थलों के किराये की दरों में वृद्धि करने की योजना बना रहा था। इसे अब औपचारिक सहमति मिल गई है। इससे पूर्व वर्ष 2017 में हुई कार्यपरिषद की बैठक में किराये में बढ़ोतरी की गई थी। जिन लोगों को कार्यक्रम के आयोजन के लिए विवि सभागार किराये पर चाहिए, वे विवि से संपर्क कर सकते हैं।

## मायावती का नया तेवर, क्रस्क्रका बदल रहा कलेवर, लोकसभा चुनाव से पहले बसपा 2.0 वर्जन के लिए हो जाइए तैयार

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी अपना चोला बदलने जा रही है। कभी चुनावी काल में पार्टी की नीतियों को कैडर तक ले जाकर लाने वाली पार्टी के स्वरूप में बदलाव की योजना तैयार की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकसभा चुनाव से पहले बसपा अपने नए कलेवर में नजर आएगी। 15 जनवरी को इस बदले स्वरूप की योजना पर काम शुरू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी शुरू हो गई है। देश में अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दल तैयारियों को पूरा करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी ने अपने स्वरूप में बदलाव की योजना पर काम शुरू किया है। बसपा अपने नए तेवर और कलेवर के साथ प्रदेश और देश की राजनीति में उतरने की योजना बना रही है। बहुजन समाज को राजनीतिक ताकत देने के लिए काशीराम ने जिस दल का गठन किया था। वह अब नए स्वरूप में नजर आएगी। इसे बसपा का वर्जन 2.0 कहा जा रहा है। अब तक बहुजन समाज पार्टी चुनावी कल में अपनी नीतियों और मुद्दों के साथ चुनावी मैदान में उतरती थी। मायावती की लो प्रोफाइल और कैडर पर भरोसे वाली नीति ने बसपा को लगातार सफलता दिलाई, लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी कल शुरू होने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी शुरू कर दी। हालांकि, अब बसपा भी आधुनिक तकनीक के सहारे तमाम राजनीतिक दलों से मुकाबले को तैयार होती दिख रही है।

# ग्रामीणों के लिए नासूर बनी नमामिगंगे परियोजना कार्य में हो रही लापरवाही

## लीकेज पाइपलाइनों से बरबाद हो रहा हजारों लीटर पानी, गांव में जगह जगह दलदल

संवाददाता सुरेंद्र सिंह

हमीरपुर। नमामिगंगे परियोजना से जहां लोगों को पेयजल की सुविधा मुहैया कराई जानी है वही परियोजना ठेकेदारों व जिम्मेदारों की लापरवाही से ग्रामीणों के लिए नासूर बन गई है। गांवों में जगह जगह कहीं दलदल है तो कहीं गड्ढे खुदे पड़े हैं जिसके चलते ग्रामीणों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। सुमेरपुर विकासखंड के पत्योरा गांव में नमामिगंगे परियोजना के तहत पाइप लाइने खोदी गई थी तथा पाइप लाइन डालने के बाद ग्रामीणों को पानी देना शुरू किया गया। लेकिन पानी संचालन होते ही पूरे गांव में जगह जगह लीकेज होने लगे जिसके कारण गली मुहल्लों में पानी बहने से दलदल जैसी स्थित हो गई है। कई जगह लीकेज सही करने को गड्ढे खोदे गए जिन्हे महीनों बीत जाने के बाद भी नहीं भरा गया। पत्योरा निवासी वीरू प्रजापति, रामकुमार सिंह, मुकेश कुमार, रज्जन दुबे, भगत सविता आदि ने बताया की गांव में जगह जगह पाइप लाइने लीकेज हैं जिसके चलते हजारों लीटर पानी तो बर्बाद हो ही रहा है साथ ही उनके ठीक न किए जाने से गांव में कई जगहों पर दलदल जैसी स्थित बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार प्रधान व ठेकेदारों से शिकायत की है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

### दृष्य 1

पत्योरा के ब्राह्मण मुहल्ले में पंद्रह दिन पहले लीकेज ठीक करने को खोदी गई पाइप लाइन को अभी तक ठीक नहीं किया गया। मुहल्ले के लोगों का कहना है कि गड्ढा न भरे जाने के कारण आए दिन छोटे बच्चे उसमें गिरकर चोटिल होते है।

### दृष्य 2

पत्योरा के काली देवी मंदिर के पास मुख्य मार्ग में पाइप लाइन डालने को खोदी गई नाली को ठीक से न बनाने के चलते दलदल की स्थिति हो गई है। पाइप लाइन को खोदे करीब छह महीने बात चुके हैं लेकिन उसे सही ढंग से नही ठीक करने के चलते वहां से गुजरने वाले लोगों को दलदल से गुजरने को मजबूर होना पडता है।

### दृष्य 3

गांव के राम-जानकी मंदिर के पास करीब एक महीने से पाइप लाइन लीकेज हो रही है जहां पानी बर्बादी के साथ ही मुहल्ले में कीचड़ की समस्या बनी रहती है। कहने के बाद भी जिम्मेदारों ने उसे ठीक नहीं कराया जो समस्या का कारण बनी हुई है।

### दृष्य 4

गांव के प्रजापति मुहल्ले में पाइपलाइन डालकर खोदी गई नाली को न ही बराबर किया गया और नही उसे पक्का किया। जिसके चलते रात के समय वहां से गुजने वालों को समस्या का सामना करना पडता है।

## संपादक की कलम

# गंगोत्री में कैसे बचेंगे देवदार के पेड़



हिमालय की नाजुक परिस्थितियों की चर्चा न तो संसद में हो रही है और न उच्च अदालत में ही। पर्यावरण की पूरी अनदेखी के साथ सुरक्षा का हवाला देकर जंगल, पानी और मिट्टी की अधिकतम बर्बादी की कीमत पर विकास की रेखा खींची जा रही है। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी पहाड़ों में हरित निर्माण तकनीक के अनुसार सड़कों के चौड़ीकरण की बात कर रहे हैं, उनके दावों के विपरीत ऑल वेदर रोड में सभी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। पहाड़ों में दुर्गम स्थानों को पार करने के लिए निश्चित ही सुदृढ़ व सुगम सड़कों के निर्माण की आवश्यकता है, लेकिन वह पहाड़ों की ऐसी बर्बादी न करे, जैसी चार धाम में निर्माणाधीन ऑल वेदर सड़क के चौड़ीकरण से सामने आई हैं। इस सड़क के लिए अंधाधुंध पेड़ों का कटान, मिट्टी, पानी, पत्थर की बर्बादी और छोटी-छोटी बस्तियों को उजाड़ने में कोई देर नहीं लगी है। लेकिन इस पर सरकार का ध्यान उतना नहीं गया, जितना कि उच्च अदालतों ने संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त, 2019 में चार धाम सड़क चौड़ीकरण कार्य से समाज और पर्यावरण पर पड़ रहे प्रभाव के अध्ययन के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी डॉ. रवि चोपड़ा की अध्यक्षता में गठित की थी। इस रिपोर्ट के आधार पर अधिकतम चौड़ाई सात मीटर करने का आदेश दिया गया था। इस दौरान सड़क चौड़ीकरण बहुत तेजी से हो रहा था, जिसमें कहीं भी पूर्व प्रस्तावित 10-24 मीटर चौड़ी सड़क को सात मीटर तक नहीं किया गया। यह सिलसिला थमा नहीं और नवंबर, 2020 में रक्षा मंत्रालय ने सेना की जरूरतों का हवाला देते हुए चौड़ी सड़क की मांग उठाई। दिसंबर, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने फिर संशोधन कर दिया, जिसमें सड़क को 10 मीटर तक चौड़ा रखने का आदेश है। जबकि अदालतों में बहसों के चलते 12 हजार करोड़ रुपये की लागत की इस परियोजना का काम 70 प्रतिशत तक पूरा भी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया है, %क्या पर्यावरण संरक्षण सेना की जरूरतों से ऊपर होगा या हमें यह कहना चाहिए कि रक्षा चिंताओं का ध्यान पर्यावरणीय क्षति न हो।% इस उलझन के कारण उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी के अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को पत्र भेज कर इस्तीफा दे दिया। डॉ. रवि चोपड़ा का कहना है कि कमेटी का अधिकार क्षेत्र केवल नॉन-डिफेंस स्ट्रेचेज तक सीमित रखने से उनका पद पर बने रहना उचित नहीं है।

हिमालय की नाजुक परिस्थितियों की चर्चा न तो संसद में हो रही है और न उच्च अदालत में ही। पर्यावरण की पूरी अनदेखी के साथ सुरक्षा का हवाला देकर जंगल, पानी और मिट्टी की अधिकतम बर्बादी की कीमत पर विकास की रेखा खींची जा रही है। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी पहाड़ों में हरित निर्माण तकनीक के अनुसार सड़कों के चौड़ीकरण की बात कर रहे हैं, उनके दावों के विपरीत ऑल वेदर रोड में सभी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शेष बचे उत्तरकाशी से गंगोत्री के बीच लगभग 100 किमी में सड़क चौड़ीकरण होना है। यहां पर लाखों देवदार के छोटे-बड़े पेड़ों को काटने की तैयारी चल रही है। इस संबंध में नितिन गड़करी ने कहा है कि पेड़ों को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। यह तो भविष्य ही बताएगा। वर्ष 1962-65 में गंगोत्री मोटर मार्ग का निर्माण हुआ था। तब यहां स्थित सुखी, जसपुर, झाला आदि कई गांवों ने अपनी जमीन निःशुल्क सरकार को दी थी। आज इसे नजरंदाज करके सड़क दूसरी दिशा में मोड़ी जा रही है। वह भी ऐसे स्थान से जहां देवदार समेत कई बहुमूल्य प्रजाति के घने जंगल हैं, और जंगली जानवरों के सघन आवास मौजूद हैं। यहां कटान के लिए हजारों देवदार के पेड़ों पर निशान लगा दिए गए हैं। विरोध में 18 जुलाई, 2018 को सुखी टॉप (आठ हजार फीट) में एकत्रित होकर गांव वालों ने हरे देवदार के पेड़ों को बचाने हेतु रक्षासूत्र बांधे हैं। पेड़ों की रक्षा का संकल्प लेते हुए स्थानीय लोगों ने सुखी गांव से ही मौजूदा सड़क को यथावत रखने की अपील की है। इससे आगे जसपुर गांव से बगोरी, हर्षिल, मुखवा से जांगला तक ऑल वेदर रोड की मांग की है। यहां पर बहुत ही कम पेड़ हैं और अधिकांश जगह पर मोटर सड़क बन भी गई है। यदि सड़क और राजमार्ग मंत्रालय इसकी स्वीकृति दे दे, तो सुखी बैंड से हर्षिल होते हुए जांगला तक हजारों देवदार के पेड़ों को बचाया जा सकता है। इसके अलावा गंगोत्री जाने वाले यात्रियों को भागीरथी के दोनों ओर से जाने-आने की सुविधा मिलेगी।

# दुनिया को फिर से बनाने में होगी हिंदुस्तान की भूमिका

कोरोना पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का लापरवाही भरा रवैया पूरी दुनिया ने देखा। कोरोना जैसे अनजान वायरस के प्रसार को महामारी घोषित करने में इस वैश्विक संगठन ने बहुत वक्त लगा दिया। तब तक देर हो चुकी थी। दुनिया के कई देशों में इस वायरस का प्रसार होने लगा। लोग बीमार होने लगे और मरने लगे। इस अनजान वायरस को नाम दिया गया कोविड 19 यानी कोरोना वायरस।

दुनिया भर में वैश्विक आपदाओं और महामारियों का पुराना इतिहास रहा है। अमूमन हर 100 साल पर मानव जाति को किसी वैश्विक महामारी का सामना करना पड़ता है जिसमें लाखों की संख्या में जान-माल का नुकसान होता आया है। लगभग 100 साल पहले आए स्पैनिश फ्लू ने भारत में लाखों लोगों को अपना शिकार बनाया था। हैजा भी भारत में महामारी के रूप में अपना कहर बरपा चुका है। लेकिन यह उस दौर की बात है जब विज्ञान अपने शैशवकाल में था। दरअसल, हम यह मानकर चल रहे थे कि 21वीं सदी में जब एक से बढ़कर एक प्राणघातक रोगों का भी इलाज संभव है ऐसे में कोई महामारी समूचे विश्व को विवश नहीं कर पाएगी। पश्चिमी देशों को अपने विज्ञान पर बहुत अभिमान था। भारत सहित तमाम देश इसी आधुनिक विज्ञान के पीछे पंक्तिबद्ध खड़े नजर आते थे। लेकिन 21वीं सदी का 21वां साल हमारी कई सारी मान्यताओं को ध्वस्त करने वाला था। साल 2019 खत्म होने वाला था कि चीन में एक अनजाने वायरस से लोगों के बीमार होने की खबरें आने लगीं। भारत सहित अधिकांश देशों ने इस पर ध्यान नहीं दिया और अंतर्राष्ट्रीय विमानों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लापरवाही भरा रवैया अपनाते हुए इस अनजान वायरस के प्रसार को महामारी घोषित करने में बहुत वक्त लगा दिया। तब तक देर हो चुकी थी। दुनिया के कई देशों में इस वायरस का प्रसार होने लगा। लोग बीमार होने लगे और मरने लगे। इस अनजान वायरस को नाम दिया गया कोविड 19 यानी कोरोना वायरस। चीन के बाद अमेरिका सहित समूचे यूरोप में इस वायरस के कारण हाहाकार मचने लगा। हैरानी की बात यह है कि कोरोना वायरस ने सबसे अधिक तबाही उन देशों में मचाई जिन्हें दुनिया विकसित देशों की श्रेणी में रखती है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश जो आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस थे इस अनजान वायरस का मुकाबला नहीं कर पा रहे थे। बड़ी संख्या में बुजुर्गों की मौत होने लगी। इन विकसित देशों की व्यवस्था चरमरा गई। लोग सड़कों पर मरने लगे। ऑक्सीजन सहित बुनियादी मेडिकल सुविधाओं की किल्लत से लोग मरने लगे। अस्पताल अपनी क्षमता से कहीं ज्यादा काम कर रहे थे लेकिन लोगों को बचा पाने में असमर्थ थे। साल 2020 सारी दुनिया के लिए कोरोना काल के तौर पर अवतरित हुआ। सारी दुनिया से होता हुआ कोरोना वायरस भारत भी पहुंचा और इस देश ने न भूतो न भविष्यति जैसा दृश्य देखा। प्रधानमंत्री ने पहले जनता कर्फ्यू का आवाहन किया। इसके बाद देश ने लॉकडाउन जैसा शब्द पहली बार न सिर्फ सुना अपितु बहुत करीब से महसूस भी किया। किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी जैसा नजारा देश में देखने को मिला। सड़कें सुनसान हो गईं, लोग घरों में कैद थे और सारे देश में एक डर का माहौल था। भारत में भी कोरोना वायरस ने मौत का तांडव मचाया लेकिन यह उतना भयानक नहीं था जितना अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों ने देखा। चीन ने न सिर्फ अपने देश में इस वायरस के प्रसार की बात छुपाई बल्कि उस पर यह शक भी गहराया कि यह वायरस उसकी शरारत तो नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि कोरोना वायरस चीन के वुहान शहर की एक लैब में बनाया गया है। कोरोना वायरस को वैश्विक साजिश के तौर पर देखा गया लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई। दूसरी तरफ दुनिया के कई देश कोरोना के कारण लाचार दिखे। महामारी और बेबसी के इस दौर में जब आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और विज्ञान ने हाथ खड़े कर दिए भारत में दोबारा उसकी अपनी विद्या यानी कि योग का प्रसार हुआ। सांस की समस्या से निपटने के लिए प्राणायाम एक विकल्प के तौर पर आया। पुराने जमाने की तर्ज पर औषधीय काढ़ा का लोगों के घरों में दोबारा आगमन हुआ। कोरोना वैक्सीन आने में साल भर से अधिक का वक्त लगा। तब तक भारत के लोगों की रक्षा योग और प्राकृतिक तत्वों के सेवन ने ही किया। भारत ने दुनिया को एक रास्ता दिखाया। अंग्रेजी चिकित्सा व्यवस्था बीमारी के बाद काम में आती है। जबकि योग और प्राणायाम व्यक्ति को बीमार पड़ने से रोकता है। यह फर्क बहुत साफ तौर पर सारी दुनिया को समझ में आया। भारत की विश्व मंगल की अवधारणा में योग का एक बड़ा योगदान है। आज दुनिया भर के देशों में योग और प्राणायाम की धूम मची हुई है। भारत से ज्यादा विदेशों में लोग योग के मुरीद हो रहे हैं। कोरोना महामारी के दौर में भारत ने दुनिया भर के देशों में जरूरी दवाईयां और मदद भेजी। इनमें विश्व का पावरहाउस अमेरिका भी शामिल था। भारत की विश्वमंगल की भावना से किये गए कामों ने सारी दुनिया में तारीफ बंटोरी। भारत ने कोरोना महामारी की तीन लहरों का सामना किया है और जनसंख्या के मुकाबले काफी कम नुकसान सहा। इतना ही नहीं जब कोरोना वैक्सीन आई तब भारत ने गरीब देशों को वैक्सीन भी बांटी। हालांकि सरकार के इस फैसले का भारत में ही राजनीतिक दलों ने विरोध किया लेकिन इस कदम से विश्व में भारत की साख बहुत मजबूती से स्थापित हुई। आपदा की घड़ी में भारत द्वारा उठाए गए इन कदमों से यह बात स्थापित हो गई कि भारत के लिए वसुधैव कुटुम्बकम सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि जीवनशैली है। अब तक कोरोना महामारी से दुनिया भर में 50 लाख से अधिक लोगों की जान गई है। 8 लाख से ऊपर अमेरिकी नागरिकों की जान विश्व की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं होने के बावजूद नहीं बच पाई। भारत में अमेरिका से तीन गुना अधिक लोग रहते हैं। ब्राजील में 6 लाख से अधिक लोगों की जान कोरोना के कारण गई। भारत में भी 4 लाख से अधिक लोग कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गए। शोक और त्रासदी का लंबा दौर देखा भारत ने लेकिन वह टूटा नहीं। भारत उस वक्त भी मजबूती से अपने नागरिकों के साथ खड़ा रहा जब दुनिया ठप पड़ चुकी थी। लोग घरों में कैद थे। फैक्ट्री, कारखाने लोगों के काम-धंधे बंद हो चुके थे। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी जो दिहाड़ी मजदूर थे। जिनकी जिंदगी रोज कमाने रोज खाने के सिद्धांत पर चलती थी। यह देश का बहुत बड़ा तबका था जो दोहरी मार झेल रहा था। घर से बाहर कोरोना मौत बनकर नाच रहा था तो घर पर भूख मार डालती। ऐसे मुश्किल वक्त में भारत ने लोक कल्याणकारी गणतंत्र को चरितार्थ करते हुए करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करवाया। आपदा के दौर में मुफ्त राशन के लिए सारी शर्तें हटा ली गईं। कोरोना की चुनौतियों से हर मोर्चे पर लड़ते हुए भारत ने इस दिशा में दुनिया को हमेशा एक स्पष्ट राय दी। प्रकृति के साथ ही मनुष्य का विकास निहित है। प्रकृति का दोहन आखिरकार हमारे लिए विनाशकारी सिद्ध होगा। अब यह परिणाम नजर भी आने लगे हैं। इसलिए कोरोना महामारी की विभीषिका झेल चुकी दुनिया शायद इस बात को अब बेहतर तरीके से समझ रही होगी। याद करिए जब कोरोना वैक्सीन आई तो अमेरिका सहित विकसित देशों ने टीका पर एकाधिकार सा कर लिया था। उन्होंने करोड़ों डोज पहले ही खरीद ली थी। गरीब देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। ऐसी स्थिति में भारत ने उन्हें मुफ्त वैक्सीन बांटी। जब प्राण संकट में हों तब कोई मददगार आपकी जान बचा ले तो उसका अहसान व्यक्ति जीवन भर नहीं भूलता। भारत का यह कदम ये देश भी कृतज्ञता से स्वीकारते हैं। अब कोरोना की एक और लहर से दुनिया जूझ रही है। यह संभवत- पिछली लहर की तरह विनाशकारी सिद्ध न हो लेकिन इतना तो तय है कि इस महामारी के जख्मों से उबरने में दुनिया को काफी वक्त लग जाएगा। साथ ही कोरोना पश्चात यह विश्व एक बड़े बदलाव से गुजरेगा इसकी पूरी संभावना है। यह दुनिया पहले जैसी नहीं रह जाएगी। कोरोना महामारी ने भारत को भी काफी कुछ सिखाया।

# सिर्फ न्यायाधीशों की कमी ही जिम्मेदार नहीं



### कलम के थमते ही छूट गई सृजन से बंधी सांसें

वरिष्ठ फिल्म पत्रकार और स्तंभकार जयप्रकाश चौकसे नहीं रहे। एक ऐसे दौर में जब फिल्मों को ही गंभीरता से नहीं लिया जाता था और उसका प्रभाव पत्रकारिता में सिनेमा और मनोरंजन पत्रकारिता पर भी नकारात्मक ही था और जिसके चलते फिल्म पत्रकारिता मुख्यधारा में केवल चटपटी मसालेदार खबरों की भरपाई मात्र थी, वहां जयप्रकाश चौकसे जैसे प्रखर फिल्म पत्रकार/स्तंभकार ने 5 दशक तक सिनेमाई दुनिया के संसार की ऐसी छवि गढ़ी जिसने फिल्म पत्रकारिता को एक स्तर दिया और अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर दिया।

मप्र के बुरहानपुर में 1939 में जन्में जयप्रकाश चौकसे ने अंग्रेजी ओर हिंदी साहित्य में एमए किया था। उनकी लगातार साहित्य और संस्कृति में आवाजाही थी।

सांसों की डोर सृजन से बंधी होती है। रचनात्मकता यश को नहीं उम्र को भी बढ़ाती है और कलाएं जीवन में केवल बाह्य उपक्रम मात्र नहीं होती बल्कि उसका एक संसार आत्मा और देह के बीच भी रचता-बसता है जहां जीवन की तमाम उठापटक और तन-मन की आधियों-व्याधियों के बीच आयु के सेतु की सतत् मरम्मत होती रहती है। संगीत की साधना हो अथवा कैनवास में रंग भरती किसी चित्रकार की कूची अथवा शब्दों से संसार में रचते-पगते किसी लेखक, स्तंभकार की कलम, जिस दिन सृजन की यह यात्रा थमती है उससे बंधी सांसें भी उखड़ने लगती हैं और देह और आत्मा के बीच बंधा आयु का सेतु दरकने लगता है। वरिष्ठ पत्रकार श्री जयप्रकाश चौकसे की सांसों की डोर भी उनकी कलम से बंधी थी। 26 साल तक एक कॉलम लगातार लिखते रहने वाले इस अद्भुत और अद्वितीय फिल्म पत्रकार, कहानीकार, उपन्यासकार और संवेदनशील कवि हृद्य ने कुछ दिन पूर्व ही जब अस्पताल के बिस्तर से यह खबर अपने चाहने वालों और लाखों पाठकों के बीच पहुंचाई कि वे अब बीमारी और देह की मनाही के बीच लिख ना पाएंगे तो अंदेशा हो गया था कि चौकसे जी निःसंदेह ज्यादा तकलीफ में हैं, अन्यथा कैंसर जैसी बीमारी के शारीरिक, मानसिक कष्ट और पीड़ा के बीच आत्मा के भीतर चल रही कलम की यह यात्रा अचानक ना थमती।

जाहिर है, आयु का सेतु कहीं दरकने लगा था और अलविदा की गूंज उन्हें सुनाई देने लगी थी। और आज वही हुआ जिसकी आशंका मुझे 25 फरवरी के दैनिक भास्कर के प्रथम पृष्ठ पर उनके स्तंभ के थमने और फिर दोबारा शुरू होने की सूचना के बीच थी। उनकी अलविदा की गूंज आज पत्रकारिता जगत और उनके लाखों पाठकों के संसार के बीच निधन की सूचना बन गई। जयप्रकाश चौकसे अपनी विदा की सूचना में गूंजती अलविदा के साथ ही हजारों-लाखों पाठकों का संसार सूना कर गए और उन्हें छोड़ गए पर्दे के पीछे की उस दुनिया के साथ जिसे आने वाली पीढ़ियां एक पाठशाला के तौर पर आजीवन अपनी विरासत के तौर पर याद रखेंगी। एक ऐसे दौर में जब फिल्मों को ही गंभीरता से नहीं लिया जाता था और उसका प्रभाव पत्रकारिता में सिनेमा और मनोरंजन पत्रकारिता पर भी नकारात्मक ही था और जिसके चलते फिल्म पत्रकारिता मुख्यधारा में केवल चटपटी मसालेदार खबरों की भरपाई मात्र थी, वहां जयप्रकाश चौकसे जैसे प्रखर फिल्म पत्रकार/स्तंभकार ने 5 दशक तक सिनेमाई दुनिया के संसार की ऐसी छवि गढ़ी जिसने फिल्म पत्रकारिता को एक स्तर दिया और अपनी गरिमा, प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर दिया।

अपनी 50 साल की फिल्म पत्रकारिता में चौकसे जी ने करियर की आधी से ज्यादा जिंदगी यानी 26 साल दैनिक भास्कर जैसे राष्ट्रीय अखबार में पर्दे के पीछे जैसे स्तंभ को गढ़ते हुए गुजारी। पर्दे के पीछे जैसा यह कॉलम चौकसे जी जैसे फिल्म पत्रकार ने अपने सरल, सहज भाषाई तेवर के साथ बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा की दुनिया के भीतर चल रही तकरीबन चौंकाने देने वाली जानकारियों व विवेक-विचार के कौशल के साथ समृद्ध किया और इतनी मजबूती से स्थापित किया कि इसने भविष्य के फिल्म पत्रकारों के लिए प्रकाश स्तंभ का ही किया काम किया। जयप्रकाश चौकसे के दैनिक स्तंभ के केंद्र में भले ही फिल्में और सिनेमा था, लेकिन उनके इस कॉलम की दुनिया इतनी विशाल थी कि इसमें साहित्य, समाज, संस्कृति, लोकजीवन, लोककथाएं, परपंराएं और भारतीय परंपरा की विराट किस्सागोई आकार लेती थी। श्री जयप्रकाश चौकसे का यह सिनेमाई पर्दा फिल्मों की केवल रुपहले पर्दे की रंग-बिरंगी दुनिया ही समेटे हुए नहीं था, बल्कि इसमें व्यवस्था के हर चित्र और आयाम का लेखा-जोखा था। सरकारों से लेकर कलाकारों और साहित्यकारों से लेकर फिल्मकारों की प्रशंसा, आलोचना और तीखे तेवरों के साथ कटाक्ष भी शामिल थे। अपने कॉलम के माध्यम से श्री चौकसे खुले विचारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, शोषित, वंचित और पीड़ित वर्ग की भी खबर लेते थे और व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करते थे। उनकी पैनी दूरदृष्टि और तीखी नजर ने हाशिए पर पड़े और तकरीकबन उपेक्षित ओर संसाधनविहीन सिनेमा के कलाकारों की पूछ परखी ली, बल्कि उनकी प्रशंसा और सराहना के बीच उन्हें जगह दिलवाने में मदद भी की।

मप्र के बुरहानपुर में 1939 में जन्में जयप्रकाश चौकसे ने अंग्रेजी ओर हिंदी साहित्य में एमए किया था। उनकी लगातार साहित्य और संस्कृति में आवाजाही थी। उन्हें दराबा और ताज जैसे दो उपन्यास लिखे और कहानियां भी लिखीं। साहित्य में वे जितना नए को पढ़ रहे थे उतनी ही उनकी दृष्टि अतीत व प्राचीन सृजन संसार की प्रासंगिकता पर भी बराबर बनी रही। इन पंक्तियों के लेखक की श्री जयप्रकाश चौकसे से दो मुलाकातें हैं। मुंबई में पत्रकारिता करते हुए जब उनके कैंसर जैसे प्राणघातक रोग की गिरफ्त में आने की सूचना मिली थी तब उसके कुछ महीने बाद एक बार अंधेरी पश्चिम के यारी रोड वाले फ्लैट में हिंदुस्तान में कार्यरत् वरिष्ठ खोजी पत्रकार और अभिन्न मित्र मुकेश बालयोगी के साथ मिलना हुआ था और लंबी बातें हुई थीं। उनकी सेहत और कुशलक्षेम के साथ ही उस समय भी उनसे सिनेमा पर लंबी बातचीत हुई। तकरीबन 1 घंटे की इस मुलाकात में भी वे अपनी देह में लग चुके इसे जानलेवा रोग से भयाक्रांत नहीं दिखाई पड़े। किसी मुश्किल अथवा परेशानी से इतर वे लगातार फिल्मों, कवियों और बॉलीवुड में हो रहे प्रयोगधर्मी सिनेमा पर बतियाते रहे। इधर, उनसे दूसरी मुलाकात भी मुंबई में 2014 में अपने अखबार के दफ्तर में ही हुई और लंबी बातचीत के बीच वे घर आने का निमंत्रण देकर लौट गए। इस बीच 2016 में मराठी सिनेमा पर साहित्यिक पत्रिका वसुधा के लिए लिखे लेख में उनसे एक लंबी बातचीत फोन पर हुई। उस दौरान भी उन्होंने लगभग हैरत में ही डाल दिया। मराठी सिनेमा व संस्कृति को लेकर उनकी जानकारियां हतप्रभ करने वाली थीं। तकरीबन एक घंटे

# अब मैं किसी भी सूरज को नहीं डूबने दूंगा

सूरज जायेगा भी तो कहां/उसे यहीं रहना होगा/यहीं हमारी सांसों में/हमारी रगों में/हमारे संकल्पों में/हमारे रतजगों में/तुम उदास मत होओ/अब मैं किसी भी सूरज को नही डूबने दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद देते हुए अपने संबोधन की इतिश्री इन्हीं पंक्तियों से की। यह पंक्तियां हिन्दी के प्रसिद्ध कवि सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कालजयी कविता 'सूरज को नही डूबने दूंगा' से हैं। प्रधानमंत्री ने भले ही इन पंक्तियों से अपने भाषण खत्म किया हो, लेकिन कविता के यह सकारात्मक शब्द जीने की नयी राह दिखाते हैं। निराशा को आशा में बदलते हैं। इन पंक्तियों में इतनी सकरात्मकता, आशा, उम्मीद और सपने छिपे हैं कि जो एक साथ करोड़ों-करोड़ों देशवासियों के अन्दर एक नयी ऊर्जा का संचार कर जाते हैं। वास्तव में जो सपने देखता है, सकारात्मक सोच रखता है, जो आशा और उम्मीद की डोर टूटने नहीं देता, वही तो आगे बढ़ता है, शिखर को छूता है, इतिहास के पन्नों पर अपना नाम दर्ज करवाता है, भले ही वो कोई व्यक्ति हो या फिर कोई देश। यक्ष प्रश्न यह है कि कोई एक व्यक्ति करोड़ों देशवासियों में एक साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार कैसे कर सकता है? प्रश्न यह भी है कि कोई एक व्यक्ति कैसे लाखों-करोड़ों सूरजों को डूबने से बचा सकता है? आम आदमी तो इस बारे में सोचने का साहस भी नहीं जुटा पाता। लेकिन ये सपने तब पूरे होते हैं जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सवा सौ करोड़ देशवासियों का प्रतिनिधि संसद के अंदर से ये ऐलान करता है कि 'अब मैं किसी भी सूरज को डूबने नहीं दूंगा', तो करोड़ों देशवासियों में एक नयी ऊर्जा, उमंग और आशा की लहर आर-पार हो जाती है। देशवासियों को एकबारगी लगने लगता है कि सचमुच अब कोई सूरज नहीं डूबेगा। तब लगने लगता है कि आने वाला कल आज से बेहतर होगा। जो सपने हमनें देखे हैं वो जरूर पूरे होंगे, हर सूरज एक दिन आसमान में चमकेगा। 15 अगस्त 1947 की आधी रात को देश ने पंडित नेहरू के नेतृत्व में आधुनिक राष्ट्र बनने का सपना देखा था। इस सपने को साकार करना आसान नहीं था, क्योंकि ये वो दौर था जब देश बंटवारे के दर्द से गुजर रहा था। सांप्रदायिकता और अलगाववादी सोच चरम पर थी। ऐसे वक्त में नेहरू उन विचारों को लेकर मजबूती से खड़े हुए, जिस पर वो पूरी शिद्दत के साथ विश्वास करते थे। जिसे वो आजादी की लड़ाई के वक्त से ही संवार रहे थे। आजादी के बाद जब देश का नेतृत्व नेहरू के हाथ में आया, तब उन्होंने नए भारत के निर्माण में सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद जैसे परंपरावादियों, सी. राज गोपालाचारी और आंबेडकर जैसे विरोधियों को भी जगह दी। मौलाना आजाद जैसे वामपंथी सोच वाले कांग्रेसी को भी साथ ले कर चले। नेहरू ने ऐसे राष्ट्र के निर्माण की कोशिश की जिसमें मजहब, जाति, रंग या लिंग के आधार पर भेदभाव न होता हो। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजादी के बाद चंद दशकों में ही राजनीति और राजनेताओं के चरित्र में परिवर्तन आया। जो राजनीति किसी जमाने में जनोन्मुखी थी, वो मंचोन्मुखी हो गयी। बदलते दौर में मंच तो बड़े से विशाल हो गये, लेकिन उन पर बैठने वाले किरदारों का कद बौना हो गया। शायद तभी मशहूर जनकवि अदम गोंडवी ने ये शेर लिखा था, 'चांद है जेरे कदम सूरज खिलौना हो गया, हां मगर इस दौर में किरदार बौना हो गया'। राजनीति देशसेवा छोड़कर, परिवार सेवा में डूब गयी। सत्ता लोलुपता और स्वार्थ के चलते राजनीति वंशवाद और परिवारवाद की चाशनी में पूरी तरह डूब गयी और तंत्र के तीन खंभों की आपसी समझ, गठजोड़ और मिलीभगत ने मिलकर लोकतंत्र के मालिक 'लोक' को 'साइड लाइन' लगा दिया। बीच-बीच में बदलाव की चिंगारियां फूटी, लेकिन अंधेरा इतना घना और तंत्र के तीन तंतुओं का गठजोड़ इतना मजबूत था कि चिंगारियां चमकने और भड़कने से पहले ही बुझ गयी। तमाम झंझावातों, उठापटक, अभावों, लूट, अव्यवस्था और लोक की दुर्गति के बाद भी न देश रूका और न ही देशवासी। तमाम नकारात्मक शक्तियों में चंद सकारात्मक शक्तियों ने इस देश की आशाओं, उम्मीदों को किसी भी सूरत में मरने नहीं दिया।

आजादी के बाद से आज तक राजनीति ने देशवासियों को लाखों सपने दिखाए हैं। हर पांच साल के बाद नये-नये सपने दिखाने और वादे करने का दस्तूर हमारे यहां पहले चुनाव से लेकर आजतक बदस्तूर जारी है। सपने दिखाना और वादे करना एक बात है, सपने पूरे होना दूसरी बात और यहां दूसरी बात ही अहम है। लेकिन हुआ इसका उल्टा। आजादी के वक्त जो सपने दिखाए गये थे वो आज भी मुकम्मल नहीं हो पाये हैं और सपने दिखाने वाले 'सेवक' से राजा बनकर सत्ता सुख भोग रहे हैं। चंद लोगों ने सत्ता को अपनी दासी बनाकर अपने खूंटे से बांध लिया और करोड़ों सपनों को अपनी झोली में समेट लिया। सत्ता कायम रखने के राजनीति ने जात-पात, बोली-भाषा और क्षेत्रवाद की जहरीले बीज बोने का काम भी किया। लेकिन न देश रूका और न देशवासी। छोटे-छोटे सपनों के साथ देश आगे बढ़ता रहा। यही इस देश की खासियत और महानता है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भुवनेश्वर के परेड ग्राउंड में 30 अक्टूबर 1984 को एक चुनावी सभा में भाषण में कहा था, 'मैं आज यहां हूं। कल शायद यहां न रहूं। मुझे चिंता नहीं मैं रहूं या न रहूं। देश की चिंता करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मेरा लंबा जीवन रहा है और मुझे इस बात का गर्व है कि मैंने अपना पूरा जीवन अपने लोगों की सेवा में बिताया है। मैं अपनी आखिरी सांस तक ऐसा करती रहूंगी और जब मैं मरूंगी तो मेरे खून का एक-एक कतरा भारत को मजबूत करने में लगेगा। जब देश का सबसे सशक्त शख्सियत देश के लिये देशवासियों के लिये कुर्बान होने की जज्बा दिखाए तो देश कैसे पिछड़ सकता है। सन् 1996 में संसद में अपनी पहली अल्पमत सरकार के विश्वास मत के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने भाषण में कहा था कि सत्ता का खेल तो चलेगा..सरकारें आएंगी जाएंगी। पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी। मगर ये देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। इस भाषण के बाद अटल जी की सरकार तो गिर गयी, लेकिन देश और उसकी आत्मा सदा के लिये बच गयी।

# गोर्बाचेव, पुतिन और नाटो, तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़े हम

हालांकि वर्ष 1991 में सोवियत साम्राज्य के पतन का श्रेय रोनाल्ड रीगन ने अमेरिका को दिया, लेकिन लाखों रूसियों का मानना था कि मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा शुरू किए गए पेरेस्त्रोइका और ग्लासनोस्त अंततः सोवियत संघ के विघटन का कारण बने! हैरानी नहीं कि रूस के लोग गोर्बाचेव से नफरत करते थे और उनकी लोकप्रियता घटकर 3.5 फीसदी रह गई। अन्य कई रूसियों की तरह व्लादिमीर पुतिन ने ऐतिहासिक रूस के विघटन पर अपमानित महसूस किया और गोर्बाचेव को कभी माफ नहीं किया। तथ्य यह है कि अत्यधिक विस्तृत सोवियत साम्राज्य आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया था और हाशिये पर चला गया था। लेकिन गोर्बाचेव के बिना बर्लिन की दीवार नहीं गिरती और जर्मनी का एकीकरण नहीं होता! जाहिर है, जर्मनी में नायक के रूप में उनका स्वागत किया जाता था। हालांकि अपने संस्मरण में गोर्बाचेव ने नाटो के पूर्व की ओर विस्तार नहीं होने के बारे में कुछ आश्वासनों की बात की थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने बाद में अपना दावा वापस ले लिया। हालांकि पुतिन का मानना था कि आश्वासन दिए गए थे। दिसंबर 2021 में चुटकी लेने के लिए उन्हें उद्धृत करते हुए कहा, आपने 1990 में हमसे वादा किया था कि (नाटो) पूर्व की ओर एक इंच भी आगे नहीं बढ़ेगा। आपने बेशर्मी से हमें धोखा दिया। पुतिन यूक्रेन को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील थे और कहा था कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होता है, तो यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधे खतरा होगा। उन्हें लगा कि रूस के खिलाफ नाटो के हमले के लिए यूक्रेन फौजों का अड्डा बन सकता है। जॉर्जिया में पुतिन की कार्रवाई और 2014 में क्रीमिया पर उनके कब्जे से नाटो मुख्यालय को समझ जाना चाहिए था कि पुतिन फिर से कार्रवाई कर सकते हैं, यदि उनकी रेडलाइन को पार किया गया। लेकिन नाटो ने पूर्व की ओर बहुत करीबी 14 देशों को लापरवाही से सदस्यता देते हुए अपना विस्तार किया, जिसने रूस को झकझोर कर रख दिया। रक्षा आपूर्ति की रिपोर्ट और यूक्रेन में साइबर हथियार और अंतरिक्ष हथियार को ऑपरेशनल डोमेन में डालने से पुतिन के संदेह और असुरक्षा बढ़ गई होगी। रूस कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिज्ञा चाहता था कि नाटो आगे विस्तार नहीं करेगा। पुतिन ने यह भी मांग की कि नाटो रूस की सीमाओं के पास हथियार तैनात नहीं करेगा, और 1997 से नाटो में शामिल होने वाले सदस्य देशों से बलों और सैन्य बुनियादी ढांचे को हटा देगा। दूसरे शब्दों में, रूस नाटो को 1997 से पहले की सीमाओं पर वापस भेजना चाहता था। हालांकि 1994 में, रूस ने यूक्रेन की स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पिछले साल पुतिन ने रूसियों और यूक्रेनियन को एक राष्ट्र के रूप में वर्णित किया और दावा किया कि आधुनिक यूक्रेन कम्युनिस्ट रूस द्वारा बनाया गया था। पुतिन की सुरक्षा संबंधी चिंताएं जायज हैं। नाटो विस्तार लापरवाह और असंवेदनशील रहा है। सोवियत संघ के पतन पर उनके अपमान की भावना और यहां तक कि रूस के पुराने वैश्विक प्रभाव को बहाल करने के उनके सपनों को कोई भी समझ सकता है। अमेरिका, नाटो और यूरोपीय संघ को रूसी चिंताओं को खारिज करने के दोष से मुक्त नहीं किया जा सकता है। लेकिन यूक्रेन पर पुतिन के क्रूर आक्रमण को कुछ भी उचित नहीं ठहरा सकता, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान चली गई, बुनियादी ढांचे/संपत्तियों का विनाश हुआ और लाखों आम नागरिकों के जीवन में व्यवधान आया, जो पड़ोसी देशों में हताश शरणार्थी बन गए। पुतिन को निश्चित रूप से रोका जाना चाहिए।

# विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य -आर पी सिंह

आवाज प्लस डेस्क

**अनपरा ( सोनभद्र)।** विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा का संवरण, संरक्षण एवं परिष्करण ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है, और हमारे लिये खुशी एवं गौरव का विषय है, कि हमारा विद्यालय अपने दायित्व के समुचित निर्वहन की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील एवं अग्रसर है । आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थी शिक्षा एवं खेलकूद सहित सभी क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी गुणवत्ता उच्च-श्रेणी की है और अपने आप में ये कसौटी हैं । रेणुसागर प्रबन्धन विद्यार्थियों की सफलता के नये कीर्तिमानों को बनाने और उन्हें बनाये रखने के लिए हर प्रकार की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है, ये उद्गार मुख्य अतिथि हिंडालको रेनूसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड / विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आर पी सिंह ने आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज के 46वें वार्षिकोत्सव दिवस के अवसर पर खचा खच भरे रेनूपावर पैराडाइज़ प्रेक्षागृह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे । कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि , दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्ष इन्दु सिंह के साथ संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की । विद्यालय के प्रधानाचार्य आर0 सी0 पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की वर्ष भर की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं खेल-कूद से सम्बन्धित गतिविधियों एवं उपलब्धियों का सार-संक्षेप प्रस्तुत किया। तथा उन्होंने सहयोग, समर्थन, सहभागिता तथा उत्साह-वर्द्धन के लिए प्रबन्धन का आभार व्यक्त किया । अभिभावकों व दर्शको से खचाखच भरे प्रेक्षागृह में 'विविधता में एकता' नामक शीर्षक के तहत विद्यालय के बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक चित्ताकर्षक, रंगारंग एवं मोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये । कार्यक्रम में मुख्य रूप से 'आदित्य-वन्दना' से लेकर स्वागत-गान,हरियाणवी नृत्य, वालीवुड ब्लास्ट - (जलवा), भोजपुरी लघु नाटिका - (दहेज समाज का अभिशाप), राजस्थानी नृत्य, किन्नर जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका-ताली या गाली, वेस्टर्न डान्स - (अनस्टापेवल), भांगड़ा नृत्य-(झूमता पंजाब), नृत्य नाटिका-प्रेम दिवानी-मीराबाई, क़व्वाली-'अजमत-ए-हिन्द' आदि तक के मुग्धकारी कार्यक्रमों ने दर्शको को सहज ही अपने से जोड़े रखा । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मानव संसाधन प्रमुख व विद्यालय प्रबन्धक शैलेश विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे बच्चों में असीमित प्रतिभा, योग्यता एवं क्षमता है और हमारे शिक्षकों में इन सम्भावनाओं को गति एवं दिशा देने का ज़ज्बा एवं अनुभव भी है ये सभी अनुकूल होंगे तभी स्वस्थ समाज का निर्माण होगा । कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा ट्राफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया । उक्त अवसर पर प्रबंधन के उच्चाधिकारियों में गुलशन तिवारी,मयंक श्रीवस्तव, नविंद्र पाठक के अलावा विद्यालय की प्रबन्धसमिति के सभी सदस्यों, गिरिवर शंकर तिवारी, प्रधानाचार्य, डा0 अम्बेडकर सरस्वती वि0म0इ0 कालेज अनपरा एवं विवेकानन्द मिश्र, प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टरमीडिएट कॉलेज, अनपरा सहित आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट के प्रधानाचार्य दयानन्द शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति रही ।कार्यक्रम का सुन्दर व सफल संचालन जितेन्द्र जौहर तथा विद्यालय के बच्चों स्नेहा पाण्डेय व श्रेया यादव ने किया । अन्त में विद्यालय के अंग्रेजी प्रवक्ता वी0 के0 चौबे ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी ।

## राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा का पूरे देश में उत्साह हर तरफ छाई खुशी

आवाज प्लस डेस्क

**हमीरपुर।** रामजन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गांव गांव जाकर अक्षत देकर निमंत्रण देने का काम किया जा रहा है। इस संबंध में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कमेटी के जिला समन्वयक सरस्वती शरण द्विवेदी ने बुधवार को वरदान गेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता की। जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की रुपरेखा को बताया।

उन्होंने कहा कि अब देश बदल रहा है। पूरे देश में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। जिले के लोगों को निमंत्रण देने के लिए कुल 2500 कार्यकर्ता लगाए गए हैं। जो घर घर जाकर अक्षत और राम मंदिर की फोटो दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुर्सी संभाली तब से लगाकर पुरानी विरासतें मिलना शुरू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि 370 हटना, राम मंदिर का निर्माण होना समेत अन्य कई ऐसे काम पूरे हुए हैं जो वर्षों से अधूरे पड़े थे। सदियों से जो सोया था अब वह देश का हिंदू जाग गया है और हमारा देश उन्नति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जगह जगह टीवी व प्रोजेक्टर लगाकर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम दिखाया जाएगा। इसके साथ ही अन्य कार्यक्रम भी होंगे। इस मौके पर नगर संयोजक डा.अवधेश मिश्रा, नगर अध्यक्ष रामजी गुप्ता, शारदादीन यादव मौजूद रहे।

## अज्ञात कारणों के चलते जहर खाकर फोटोग्राफर ने की आत्महत्या

**हमीरपुर।** अज्ञात कारणों के चलते एक फोटोग्राफर ने जहर खाकर अपनी जान दे दी है। युवक की मौत से परिजनों में मातम सा छाया हुआ है। मझगवां थाने के टोलारावत गांव निवासी 25 वर्षीय अनिल पुत्र चंद्रभान ने मंगलवार को दोपहर करीब तीन बजे अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। जहां देर युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के भाई रामकेश ने बताया कि उसका छोटा भाई राठ कस्बे के महेश्वरी माता मंदिर के पास फोटो स्टूडियो की दुकान रखे हुए था। भाई की मौत पर रामऔतार और मां का रो रोकर बुरा हाल है।

## एक नज़र

### ताले तोड़कर गृहस्थी का सामान उठा ले गए चोर

**बाराबंकी।** रिश्तेदारी में गये युवक के घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरो ने घर के सभी तालो को तोड़कर घर में रखी 53 हजार की नगदी सहित जेवरात को साफ कर दिया घर लौटे युवक ने अस्त व्यस्त पड़ी गृहस्थी को देख कोतवाली में चोरी की तहरीर दी है। नगर कोतवाली क्षेत्र के महृषि नगर शिव विहार कालोनी निवासी राम बरन यादव पुत्र सत्यनाम टिकरिया गांव एक रिश्तेदारी में गया था बंद मकान को देख अज्ञात चोरो ने निशाना बनाते हुए मुख्य द्वार का ताला तोड़ते हुए घर मे घुस गये और एक एक कर घर से सभी कमरों के ताले तोड़कर घर मे रखी 53 हजार की नगदी सहित हजारों रुपये के जेवरात उठा ले गये। घर पहुंचे राम बरन यादव ने घर के सभी टूटे तालो को देखकर परेशान हो उठा। पीड़ित ने चोरी की तहरीर नगर कोतवाली मे दी है।

### अराजक तत्वों तथा अशांति पैदा करने वाले 24 अपराधियों के खिलाफ मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही

संवाददाता

**कालपी(जालौन)।** कालपी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद के द्वारा आज कालपी कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग स्थानो में समय-समय पर अराजक तत्वों तथा अशांति पैदा करने के मामले में अपराधियों के खिलाफ मिनी गुंडा एक्ट की धारा 110 सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज कराकर चलानी रिपोर्ट न्यायालय में भेज दी गई है। पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई अपराधिक तत्वों में हड़कम्प मच गया है।

### पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की मनाई गई जयंती

संवाददाता

**महोली (सीतापुर)।** सोमवार को नगर के दीक्षित रेस्टोरेंट परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विधायक शशांक, त्रिवेदी व भाजपा नेता कौशलेंद्र दीक्षित के द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर बड़ी धूमधाम से जन्म जयंती मनाई गई। इस मौके पर भाजपा नेता कौशलेंद्र दीक्षित व विधायक शशांक त्रिवेदी व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर विधायक शशांक त्रिवेदी ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई का आशीर्वाद हमेशा भाजपा और देश की राष्ट्रवादी ताकतों के साथ रहा है ।इसके साथ ही कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने भारत में 25 राजनीतिक पार्टियों को जोड़कर एक सरकार बनाकर दिखाया। उन्होंने कहा कि जिस देश में लोग एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाते हुए भी शरमाते हैं, उस देश में 25 राजनीतिक पार्टियों को एक साथ जोड़कर सरकार बनाकर दिखाना यह स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की ताकत को दर्शाता है । इस मौके पर कंबल वितरण भी किए गए एवं अतिथियों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

### स्कूल में किया बाल मेला और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

**गोरखपुर।** खजनी तहसील के नगर पंचायत उनवल कुसुम इंटर कॉलेज में बाल मेला ,क्रिसमस डे सेलीब्रेशन तथा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । जिसमें क्रिसमस ट्री प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजन, द्वितीय स्थान सुप्रिया, तृतीय स्थान दिव्या रही और विज्ञान प्रतियोगिता प्रथम स्थान हर्षिता त्रिपाठी, द्वितीय स्थान अर्ची त्रिपाठी, तृतीय स्थान प्रियंका मौर्य रहे,मानव पाचन तन्त्र में अर्शी खान रही ,बाल मेला में प्रथम क्रिस्पी और टेस्टी पकौड़े दूसरे सिस्टम चाट कॉर्नर और तीसरे चटपटा भेल रहा। इस औसर पर सभी अभिभावक गण उपस्थित रहें। उक्त अवसर पर उमेश कुमार दूबे, अभिनन्दन दूबे, गजेंद्र अयूब सिद्धिकी,वीरेन्द्र विश्वकर्मा,देवेंद्र यादव सहित स्कूल स्टाप सहित अभिभावक मौजूद रहे ।

## खुद का प्रोजेक्टर लगाकर परिषदीय स्कूल के बच्चों को होनहार बना रहीं गरिमा

आवाज प्लस डेस्क

**हमीरपुर।** बच्चों को उच्च शिक्षा देने के उद्देश्य परिषदीय स्कूल की एक शिक्षिका ने अपने निजी खर्चे से स्कूल में प्रोजेक्टर लगाकर उन्हें डिजिटल शिक्षा देना शुरू कर दिया है। ऐसे में स्कूल आने वाले बच्चों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है और बच्चे पूरी रूचि के साथ पढ़ाई करते नजर आ रहे हैं।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिकरी की शिक्षिका गरिमा सिंह ने प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के लिए अपने निजी खर्चे से प्रोजेक्टर का इंतजाम करके छात्र छात्राओं को शिक्षित करने का कार्य शुरू किया है। जिससे बच्चों को गणित, विज्ञान जैसे विषयों को अधिक रुचिकर ढंग से समझाया जा रहा है। प्रोजेक्टर पर बच्चों को प्रोजेक्ट और वीडियो बनाकर भी बच्चों को पढ़ाती हैं। बच्चे भी प्रोजेक्टर पर आकर हाथ से इशारा कर पढ़ते हैं। इसके बाद शिक्षिका द्वारा गणित व विज्ञान जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इसके साथ ही यू ट्यूब चैनल पर मौजूद इन विषयों से जुड़े आकर्षक वीडियो प्रोजेक्टर पर दिखाकर बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। इस बड़ी स्क्रीन पर कार्टून फिल्म के रूप में वीडियो देखना बच्चों को काफी पसंद भी आ रही है। जिससे वह काफी कुछ सीख भी रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षिका अपने बनाए तैयार किए गए आनलाइन क्विज को विद्यालय के ग्रुप में भेजा जाता है। जिसके माध्यम से बच्चों के सीखे गए पाठ का फीडबैक शिक्षिका को मिल जाता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जीके द्विवेदी का कहना है कि प्रोजेक्टर क्लास से बच्चों का काफी फायदा हो रहा है और बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

## बालिका को लेकर यादव और दलितों में ठनी

### पीड़ित ने एसएसपी बदायूं को पत्र के माध्यम से घटना का खुलासा किया

मुशाहिद रजा

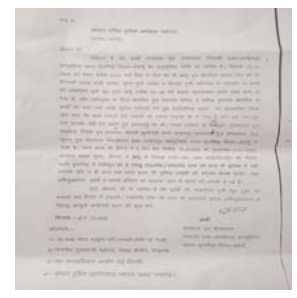

**मुजरिया।** थाना क्षेत्र के ग्राम जाहिदपुर घंसौलिया में एक दलित नाबालिक लड़की को बहला फुसला कर भागा ले जाने की घटना को लेकर दलित एवं यादव पक्ष में जातिय विरोध बढ़ता जा रहा है उधर थाना पुलिस की शिथिलता को लेकर घटनाक्रम का रूप बदलने की उम्मीद के साथ पीड़ित ने एसएसपी बदायूं को पत्र के माध्यम से घटना का खुलासा करते हुए थाना गुजरिया पुलिस की शिथिलता को उजागर किया है। थाना क्षेत्र के ग्राम जाहिदपुर घंसौलिया में एक नाबालिक दलित लड़की 15 वर्षीय को गांव का यादव युवक बहला फुसला कर भाग कर ले गया गांव में दो अन्य महिलाओं का सहयोग होने पर उक्त घटना को अंजाम दिया गया घटना विगत भारत 12 दिसंबर की है नाबालिक लड़की के पिता ने थाना मुजरिया में थाना प्रभारी निरीक्षक मुजरिया को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थाना प्रभारी निरीक्षक ने तहरीर के तीन दिन बाद 15दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज कर ली पुलिस पीड़ित के रिश्तेदारों के यहां दविश देकर हड़का रही है तथा पीड़ित परिवार को डरा धमका कर परेशान करने की नीयत से मानसिक उत्पीड़न कर रही है पीड़ित ने 27 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं को थाना मुजरिया पुलिस के विरुद्ध कृत करवाई से क्षुब्ध होकर उक्त घटना की जांच को जांच अधिकारी हटाकर अन्य थाने की पुलिस से जांच करवाने की मांग करते हुए रिपोर्ट में पाक्सो एक्ट तथा एससी एसटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज न होने पर नाराजगी जताते हुए शिकायती पत्र में मांग की है घटना थाना मुजरिया क्षेत्र की नाबालिक लड़की दलित परिवार से है तथा आरोपी पक्ष यादव पक्ष है जहां गांव में जातीय विरोधाभास बढ़ना तय है। थाना प्रभारी निरीक्षक रेनू सिंह से सी यू जी मोबाइल नंबर 9454402944 से जब बात की गई तब फोन रिसीव न होने से कोई वर्जन नहीं हो पाया।

उक्त घटना की जांच अधिकारी कृपाल सिंह उप निरीक्षक ने बताया कि लड़की को बरामद करने को दविश जा रही है लड़की बरामद नहीं हुई है पीड़ित के किसी भी रिश्तेदार के यहां दविश नहीं दी गई है।

## दुनिया में सबसे कीमती चीज आंसू हैं

आवाज प्लस डेस्क

जिन्हे हमराह होना था अगर वो ही मुखालिफ हो।
तो दामन हौंसले का हाथ से फिर छूट जाता है।
हजारों बार जो गैरों के सह सकता हो वो इंसान।

**बदायूं।** दुनिया में सबसे कीमती चीज आंसू है। क्योंकि यह 1प्रतिशत पानी और 99 प्रतिशत फीलिंग से बना होता है।अगर किसी की तकलीफ देखकर आपको भी तकलीफ महसूस होती है तो आप एक इंसान हैं। एक पल के लिए मान लेते हैं कि किस्मत में लिखे फैसले बदला नही करते लेकिन आप फैसले तो लीजिए क्या पता किस्मत ही बदल जाए। भगवान को मंदिर से ज्यादा मनुष्य का ह्रदय पसंद है क्योंकि मंदिर में इंसान की चलती है और ह्रदय में भगवान की । एक अंधा अगर अंधों का नेतृत्व करे सभी का खाई में गिरना लगभग तय है। है कर्म बहुत ध्यान से कीजिए क्योंकि न किसी की दुआ खाली जाती है और न किसी की बददुआ। रिश्तों की अपनी एक उम्र होती है कुछ मरने तक चलते है और कुछ जीते जी मर जाते हैं। जिम्मेदारी बह पिंजरा है जहा इंसान आजाद होकर भी कैद है। शरीर का वजन बढ़े तो व्यायाम कीजिए और मन का वजन बढ़े तो ध्यान कीजिए और धन का वजन बढ़े तो दान कीजिए। मां बाप को लात मरने की प्रथा औलाद मां के पेट से ही शुरू कर देती है। बस फर्क इतना है की उस समय पेट लात खाकर मां बाप फूले नहीं समाते हैं। लेकिन बुढ़ापे में लात पढ़ने पर आंसू रोक नही पाते है। हर किसी को एक दिन मरना और विचुड़ना है इस लिए जीवन इस तरह से जिए की आपके मरने के बाद भी दुनिया को आपकी कमी महसूस हो। हम तब तक लड़ते हैं किसी शक्श से जब तक प्यार की उम्मीद हो जिस दिन उम्मीद खत्म हो जाती है उस दिन लड़ाई भी खत्म हो जाती है। तकलीफ एक ऐसी चीज है जो लोगो को सिर्फ अपनी ही दिखती है।किसी और की नही कर्मो का ही खेल है जिंदगी यहाँ जो जैसा करेगा वैसा ही पाएगा इस लिए सोच समझ कर ही अपने कर्म कीजिए क्योंकि आज का किया कल जरूर वापस आएगा

## कोटेदार संघ ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन अतिरिक्त एसडीएम को दिया ज्ञापन

आवाज प्लस डेस्क

**हमीरपुर।** बुधवार को आल इंडियन फेयर प्राइस शाप डीलर एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों से संबंधित मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम खालिद अंजुम को सौंपते हुए मांगें पूरी करने की आवाज बुलंद की। कोटेदारों ने कहा कि यदि उनकी समस्याओं का निस्तारण नही हुआ तो वह एक जनवरी को राशन नही वितरित करेंगें।

कोटेदारों ने दिए गए ज्ञापन में बताया कि कोरोना काल में कोटेदारों ने अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह किए बिना ई-पाश मशीन से लोगों को राशन वितरित किया। लेकिन उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को लाभांश रुपये 90 प्रति क्विंटल मिलता है। जो कि उन्हें नही दिया गया। अन्य प्रदेशों में यह लाभांश कोटेदारों को दिया जा रहा है। कोटेदारों ने मांग करते हुए कहा कि इस महंगाई को देखते हुए उन्हें लाभांश दिया जाए। यदि लाभांश नहीं मिलता है तो वह एक जनवरी को राशन वितरण नही करेंगे। इस मौके पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मवीर समेत अशोक कुमार, रामप्रसाद, गयाप्रसाद, चंद्रप्रकाश, जयराम, रामखिलावन, अरुण कुमार, सुरेंद्र सिंह, रामकरन, रिंकी, मोहनदास, जगराम, सत्येंद्र प्रताप सिंह समेत तमाम कोटेदार मौजूद रहे।

## ए आर टी ओ ने कालपी सीएससी में 53 ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों के नेत्र परीक्षण कराए

## उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

आवाज प्लस डेस्क

**कालपी(जालौन)।** ए.आर.टी.ओ तथा चिकित्सकों की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 53 ड्राइवरों के नेत्र परीक्षण करके उन्हें यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। कालपी-उरई राष्ट्रीय राजमार्ग के आटा टोल प्लाजा में आयोजित अहिविर में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.डी चौधरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश गुप्ता, नेत्र विशेषज्ञ हरिचरण की टीम ने गाड़ियों को रोक-रोककर वाहन चालकों की आंखों की जांच की तथा कई लोगों को चश्में वितरित किए। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी मनोज पांडेय, ओ.बी.आई.एल कंपनी के असिस्टेंट इंचार्ज इंजी. गणेशन, पीयूष तिवारी, ए.एम. सिद्दीकी, अब्दुल वहाब खान की टीम के द्वारा वाहनों में रिफ्लेक्टर टेप लगाए। ए.आर.टी.ओ ने वाहन चालकों को जागरुक करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन के चालक हेलमेट तथा चार पहिया वाहन के चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से दुर्घटना से बचाव हो सकेगा।

## केसरिया हिन्दू वाहिनी के संस्थापक अतुल मिश्रा को डॉक्टर की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

आवाज प्लस डेस्क

**सीतापुर।** लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित केसरिया हिन्दू वाहिनी के चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन में अमेरिका की यूनिवर्सिटी के द्वारा खैराबाद निवासी अतुल मिश्रा,( केसरिया हिन्दू वाहिनी संस्थापक ) को डॉक्टर की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्थापक अतुल मिश्रा ने कहा कि इच्छा से उनके शिक्षक आचार्य संतोष सिंह जी, राज्य मंत्री मनीष गुप्ता , संरक्षक रसिक कोठारी जी, भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय मंत्री, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री कार्यालय से सम्बद्ध राघवेंद्र सैनी , पूर्व डी जी पी सूर्य कुमार शुक्ला , अमेरिका के महान विश्वविद्यालय से सम्मानित होने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, मैं इस मानद डॉक्टरेट को प्राप्त करने के लिए वास्तव में विशेषाधिकार महसूस कर रहा हूं और मैं इस तरह के विनम्र तरीके से मेरी उपलब्धियों को पहचानने के लिए चेन्नई से प्रोफसर डॉ रजनी जी को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं। डॉक्टरेट की उपाधि का सम्मान अतुल मिश्र की वरिष्ठ डॉक्टर पी जी आई लोहिया हॉस्पिटल, सभासद यूसुफ खान, अधिवक्ता अतीक खान , समाजसेवी पुनीत सिंह , की उपस्थित में चेन्नई से प्रोफसर डॉ रजनी जी ने दिया । कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में 30 राज्यों के प्रतिनिधि की उपस्थिति के साथ संगठन के पदाधिकारी व सदस्यों ने भारी संख्या में इस उपलब्धि पर डॉ अतुल मिश्रा को बधाई दी।

# कोहरे का कहर, ब्रज चादर मे ढका वाहनों की रफ्तार थमी, सड़को पर परसा सन्नाटा

आवाज प्लस डेस्क

**आगरा।** कोहरे की चादर मे ब्रज ढक गया,ताज और लाल किला कोहरे की चादर अदृश्य हो गया वही नेशनल हाई वे पर वाहनो की रफ्तार पूरी तरह थम गयी। मंगलवार को ब्रज कोहरे की चादर मे लिपट गया है। कोहरे के चलते नेशनल हाइवे पर वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम गयी। कोहरे की चादर तीसरे दिन भी ब्रज क्षेते मे छाई रहने के कारण नेशनल हाइवे, आगरा नॉएडा, आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम गई। वाहन रेंगते देखे गए। जबकि ट्रक बस चालकों ने इन्हे होटलो, टोल टेक्स के आस पास खड़े कर दिए। इधर कोहरे की चादर अदृश्य हो जाने से ताज महल और लाल किला पूरी तरह ढक गए।

रोडबेज ने जारी की ऐडवाईजारी परिवहन विभाग ने कोहरे के चलते बस चालकों और परिचालको को एडवांय जरी कर दी है। जिसमे कहा गया है कि कोहरा की अदृश्यता मे किसी तरह का ओवर टेक न करें साथ ही कोहरे के चलते बसों को सुरक्षित स्थान पेट्रोल पम्प, सड़क के किनारे बने ढाबा और टोल टेक्स के पास जबतक रात्रि को खड़ा करने को कहा गया है कि तब तक कोहरे की अदृश्यता कम न हो जाय साथ ही रात्रि मे चलने बाली बस परिचलको के फोन नम्बर पर डिपो के अधिकारी लोकेशन लेते रहने के निर्देश जारी किये गए है।

### मुर्गो की लूट

झरना नाले हुए एक्सीडेंट मे क्षेत्रीय नागरिक ट्रक से लदे अठारह सो मुर्गा मुर्गी लूट कर फरार हो गए। लूट का बिडियो वायरल होते ही थाना ट्रांसयमुना पुलिस हरकत मे आ गई जहाँ मुर्गा मुर्गी लूट कांड के आरोपियों की घड पकड़ मे जुट गई है।

### बसों के पहरे कम किये

कोहरे के चलते परिवहन निगम ने बसों के पहरे कम कर दिए है इतना ही नहीं फाउंड्री नगर, ताज और इदगाह डिपो की बसों मे रात्रि बसों के संचालन मे कटौती करने पर बिचार कर रहा है।

शीत लहर और सर्दी के चलते ताज नगरी के चौराहे बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशनो पर स्थानीय प्रशासन ने अलाव जलाये गए जिससे सर्दी से राहगीरों को राहत दी जा सके।

### झरना नाले पर वाहन भिड़े, दर्जन भर घायल, एक की मौत

थाना ट्रांसयमुना क्षेत्र के अंतर्गत झरना नाले के पास धने कोहरे के चलते आधा दर्जन से अधिक वाहन आपस मे भिड़ गए जिसमे दर्जन भर से अधिक लोग घायल हो गए जबकि एक की घटना स्थल पर मौत हो गई। वाहनों की भिडिन्त और चीख पुकार की अबाज सुनकर आस पास के लोग मोके पर पहुंच गए जिन्होंने वाहनों मे फंसे लोगो को बाहर निकला जिसमे एक ब्यक्ति की मौत घटना स्थल पर हो गई। इधर सड़क दुर्घटना की सूचना पाकर इलाका पुलिस मौक़े पर पहुंच गई जहाँ धयालो को उपचार के लिए हॉस्पिटल भिजबाया जबकि मृतक का पंचना भर शव विच्छेदन गृह भेजा गया। पुलिस ने सडक से वाहनों को हटवाकर जाम को खुलवाया गया है।

कोहरे के चलते नोएडा ऐक्स प्रेस बे पर मथुरा के नजदीक दर्जन वाहन भिड़ गए जिसमे दर्जन भर से अधिक यात्रियों की हालत चिकित्सक के मुताविक हालत गंभीर बनी हुई है

थाना शमशाबाद क्षेत्र के अंतर्गत घने कोहरे के चलते डम्पर नाले मे पलट गया जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

### क्षय और सांस रोगियों की परेशान

घने कोहरे और सर्दी के सितम के चलते मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और प्राइबेट हॉस्पिटल मे क्षय रोग और सांस के मरीजों की ओ पी डी बढ़ गई है

## भाजयुमो की जिला कार्यशाला का हुआ आयोजन

# विकसित भारत संकल्प यात्रा और मोदी की गारंटी अभियान को सफल बनाने की बनाई योजना

आवाज प्लस डेस्क

**आगरा।** भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की जिला कार्यशाला का आयोजन बुधवार को ब्रज क्षेत्र कार्यालय जयपुर हाउस पर हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष मिश्रा रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भाजयुमो हरिओम सिंह रावत ने की। आशुतोष मिश्रा ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने विकसित भारत सकल्प यात्रा और नमो एप अभियान को सफल बनाने के टिप्स कार्यकर्ताओं को दिए। श्री मिश्रा ने आगे बताया कि कार्यक्रम से एक दिन पूर्व उस गांव में स्वच्छता अभियान चलाना है। मोदी की गारंटी वाले रथ का पुष्प वर्षा कर स्वागत करना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा की सभा के दौरान वहां उपस्थित लोगों से नमो एप के माध्यम से विकसित भारत एंबेसडर बनाना है।

माई भारत पोर्टल में युवाओं का पंजीकरण करवाना है जिससे युवा साथियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधित सहायता प्राप्त हो सके। सभी कोचिंग सेंटर प्राइवेट एवं सरकारी महाविद्यालय, जिम खेल मैदान आदि स्थानों पर युवाओं से नमो एप डाउनलोड करवाना है। जिला अध्यक्ष हरिओम सिंह रावत ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा के साथ सभी संगठन के कार्यक्रमों को सफल बनाना है। हर युवा को मोदी योगी सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों से रूबरू कराना है। मोदी की गारंटी और विकसित भारत संकल्प यात्रा को हर घर में पहुंचाना है। जिला मीडिया प्रभारी गौरव ठाकुर ने बताया ये सभी कार्यक्रम 1 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित होंगे। 24 जनवरी को हर विधानसभा में दो कार्यक्रम होंगे जिनमें एक हजार युवा नव मतदाता शामिल होंगे। जिसको वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। इस दौरान मुख्य रूप उपस्थित रहे पंकज कटारा, राहुल पाराशर, पदम सिंह, मानवेंद्र गुर्जर, राजदीप रघुवंशी, जगदीश सोलंकी, विजय सिंह लोधी, गिरीश शर्मा, अनिल शर्मा, आशीष पाराशर, नरेश शर्मा, लोकेश राजपूत, प्रवेद्र धाकरे आदि।

## एक नज़र

### मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री ने ली स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

आवाज प्लस डेस्क

**भोपाल।** माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, स्कूली शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए तत्परता से कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह भी कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल और शिक्षा से जुड़े सभी विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित करें. स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा का परस्पर तालमेल हो एवं बच्चों को रोजगार परक शिक्षा कैसे मिले, इस दिशा में विभाग प्राथमिकता से कार्य करें।

### प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

**आगरा।** रिसान सामाजिक संस्था द्वारा वाटर वर्क्स स्थित होटल अतिथि वैन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया संस्था के संस्थापक सुनील चौधरी ने बताया कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य बच्चों छुपी प्रतिभा को आगे लाना है यह सामाजिक संस्था रोजगार के नए-नए गरीब असहाय लोगों को मौका देती है काई लोगों के पास आज हमारे द्वार दिए गए रोजगार से अपने परिवार का पोषण पोषण किया जा रहा है काई तारीख के हमारे पास हमारे पास रोजगार है हमारी संस्था का मकसद ऐसे लोगों को रोजगार देना है कि जिनके पास रोजगार नहीं है हमारी संस्था ने आज काई लोगों को रोजगार दिया छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया सांस्कृतिक प्रस्तुति से बच्चों की प्रतिभाओं को बाहर लाया संस्था द्वार पुरस्कार वितरण किया गया इस तरह के अयोजन समय-समय पर होते रहना चाहिए जिसे बच्चों को ऊर्जा मिल सके कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख खंदौली आशीष शर्माआदि।

# सफर ए शहादत शहीदी सप्ताह के सातवें दिन

संवाददाता

**आगरा।** गुरुद्वारा दशमेश दरबार शहीद नगर विभव नगर आगरा।सरबंस दानी धन धन साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की महान शहादत को नमन किया गया। चार साहिबजांदो एवं माता गुजरी जी की शहादत को नमन करते हुए कथा कीर्तन एवं गुरबाणी विचारों के साथ-साथ बड़ी स्क्रीन पर चार साहिबजांदो की पूरी शहादत इतिहास के बारे में पिक्चर दिखा कर जानकारी दी गई विशेष तौर पर भाई मनप्रीत सिंह पंजोखरा साहिब वाले इव कुलबीर कौर भसीन द्वारा बच्चों को प्रशन पूछे गए इव बच्चों को सिख इतिहास की जानकारी दी गई। गुरुद्वारा दशमेश दरबार 21 दिसंबर से चल रहे अमृतवेले सुबह वह शाम धन धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में पाठ जपजी साहिब पाठ सुखमनी साहिब पाठ पाई साहिब के पाठों की लड़ी संगतों द्वारा पंजोखरा साहिब अंबाला से आए पंथ के महान कथा विचारक मनप्रीत सिंह द्वारा सरबंस दानी गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के साहिबजांदो शहादत की कथा का वर्णन सुबह शाम गुरू महाराज जी की हजूरी में कर संगतो को शहादते इतिहास की जानकारी सांझा की कुलदीप सिंह कानपुर वालो द्वारा गुरुओं की शहादत पर सुबह शाम के दीवान में संगतो को गुरवाणी कीर्तन से जोड़ा कीर्तन सुन संगते हुई **भाव विभोर सुरा को पहचानिए जो लड़े दीन के हेत पुर्जा पूर्जा कट मरे कबहूं ना छाडे खेत, हम चाकर गोबिंद के गोबिंद के ठाकुर मेरा भारा**, नित रोज भाई साहब मनप्रीत सिंह द्वारा अरदास हुकमनामा भोग प्रसाद लंगर संगत ने पाकर गुरु महाराज का शुक्राना किया के रूप से प्रधान हरपाल सिंह , राजू सलूजा, मलकीत सिंह,इंदरजीत सिंह, लवली वीर, गुरू सेवक श्याम भोजवानी गुरिन्दर सिंह, हरजीत सिंह, हरजिंदर सिंह, देवेंद्र सिंह, ज्ञानी मंशा सिंह, प्रमोद अरोड़ा आदि।

### पूर्व नगर आयुक्त के घर में बंधक बनाकर लूट

**आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा में सर्द रातों में बदमाश भी सक्रिय हो गए हैं। एक के बाद एक वारदात को अंजाम देने में लगे हैं। पश्चिमपुरी के बाद आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 1 में पूर्व नगर आयुक्त केएम लाल (दिवंगत) के घर में वारदात की। बदमाश जंगला काटकर घर में घुसे। घर में मौजूद अधिकारी के साले को बंधक बना लिया। 20 हजार रुपये, मोबाइल और जेवर लूटकर ले गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। मगर, मामले की गंभीरता को कम करने के लिए लूट की जगह चोरी में रिपोर्ट दर्ज की। केएम लाल आईएएस अधिकारी थे। उनकी मौत हो चुकी है। वह नगर आयुक्त रहे थे। आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 1 स्थित कोठी संख्या 321 में पत्नी राकेश लाल रहती हैं। वह आगरा से बाहर गई हुई हैं। 24 दिसंबर को घर में राकेश लाल के भाई भूपेंद्र मौजूद थे। रात तकरीबन 12 बजे जंगला काटकर 4 बदमाश घर में दाखिल हो गए। भूपेंद्र ने शोर मचाने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया।

# ग्राम बटुरा, बरहा में निकाली गई विकसित भारत संकल्प यात्रा

आवाज प्लस डेस्क

**शहडोल।** केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितैषी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है । इसी कड़ी में जिले के जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत बरहा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लोगों को आईईसी वैन में लगे एल.ई.डी. के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के संदेश एवं संवाद का लाईव प्रसारण दिखाया गया। यात्रा के दौरान विभिन्न विभाग के योजना संबंधी स्टाल एवं प्रदर्शनी भी लगाई गई। साथ ही योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का भी वितरण किया गया।

### ग्राम बटुरा में हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन

केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितैषी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है । इसी कड़ी मे जिले के जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम पंचायत बटुरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान विभिन्न विभाग के योजना संबंधी स्टाल एवं प्रदर्शनी भी लगाई गई। साथ ही योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का भी वितरण किया गया। साथ ही आईईसी वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन, योजनाओं की जानकारी एवं योजनाओं से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित किए गए।

# प्रतिभा सम्मान समारोह में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का धमाल

आवाज प्लस डेस्क

**आगरा।** रिसान सामाजिक संस्था द्वारा वाटर वर्क्स स्थित होटल अतिथि वैन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया संस्था के संस्थापक सुनील चौधरी ने बताया कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य बच्चों छुपी प्रतिभा को आगे लाना है यह सामाजिक संस्था रोजगार के नए-नए गरीब असहाय लोगों को मौका देती है काई लोगों के पास आज हमारे द्वार दिए गए रोजगार से अपने परिवार का पोषण पोषण किया जा रहा है काई तारीख के हमारे पास हमारे पास रोजगार है हमारी संस्था का मकसद ऐसे लोगों को रोजगार देना है कि जिनके पास रोजगार नहीं है हमारी संस्था ने आज काई लोगों को रोजगार दिया छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया सांस्कृतिक प्रस्तुति से बच्चों की प्रतिभाओं को बाहर लाया संस्था द्वार पुरस्कार वितरण किया गया इस तरह के अयोजन समय-समय पर होते रहना चाहिए जिसे बच्चों को ऊर्जा मिल सके कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख खंदौली आशीष शर्माआदि।

# शहडोल बाणगंगा मेले के आयोजन संबंधी बैठक सम्पन्न

आवाज प्लस डेस्क

**शहडोल।** अपर कलेक्टर श्री रोमोनुस टोप्पो की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी से 20 जनवरी 2024 आयोजित होने वाले बाणगंगा मेले की व्यवस्था के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि मकर संक्रांति के मद्देनजर मंदिर परिसर के निर्मित कुंडो की साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान अस्थायी रैन बसेरा व अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि मेले की निगरानी सीसीटीवी कैमरा से की जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत व्यवस्था हेतु लगाई गई तार सुव्यवस्थित हो यह सुनिश्चित किया जाए। अपर कलेक्टर ने कहा कि पुलिसकर्मियों की ड्यूटी साधारण वर्दी में लगाई जाए। बैठक में अपर कलेक्टर ने पुलिस व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, कंट्रोल रूम, सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएस पाण्डेय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अक्षत बुंदेला, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद श्री विवेक पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी, पत्रकार एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

## राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत एडीजी, एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

आवाज प्लस डेस्क

**शहडोल।** शंभूनाथ विश्वविद्यालय जिला शहडोल में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश श्री मंगूभाई पटेल जी का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए आज दिनांक 27.08.23 को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन श्री डी.सी. सागर एवं पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक द्वारा शंभूनाथ विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने व्हीआईपी रूट, कार्यक्रम स्थल, पार्किंग व्यवस्था एवं जमुई हैलीपैड आदि का जायजा लेकर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये एवं विश्वविद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद भी किया। इस अवसर पर कूलपति प्रो. श्री राम शंकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री अंजुलता पटले, उपुअ0 महिला सुरक्षा अकिता शुल्या, एसड़ीओपी थनपुरी श्री अभिनव मिश्रा एवं अन्यअधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

# नौ माह से पांच वर्ष की उम्र तक नौ बार विटामिन ए की खुराक लेना है अनिवार्य

- जनपद में विटामिन ए सम्पूरण अभियान शुरु
- सत्र स्थल पर बच्चों को दी जाएगी विटामिन ए की खुराक

आवाज प्लस डेस्क

**आगरा।** विटामिन ए का सेवन बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ- साथ विभिन्न बीमारियों से भी बचाव करता है । इसी उद्देश्य से बच्चों में विटामिन ए की कमी को दूर करने के लिए बुधवार से विटामिन ए सम्पूरण अभियान की शुरूआत हो गई । शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगला पदी के कार्य क्षेत्र में आने वाले वीरनगर में आयोजित सत्र का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव और जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. संजीव वर्मन द्वारा फीता काटकर किया गया। सीएमओ ने डेढ़ वर्षीय आध्या, चार वर्षीय कीर्ती और चार वर्षीय आयुष को विटामिन ए की खुराक पिलाई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि 27 जनवरी 2024 तक यह अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण और छाया ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण दिवस के सत्र स्थल पर बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी । प्रत्येक बच्चे को नौ माह से पांच वर्ष की उम्र तक नौ बार विटामिन ए की खुराक लेना अनिवार्य है । मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि विटामिन ए की खुराक बच्चों को कुपोषण, मिजल्स, डायरिया और रतौंधी से बचाती है । यह बच्चे के विकास में मददगार है। इसके सेवन से निमोनिया और डायरिया का खतरा कम हो जाता है। शरीर में विटामिन ए की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता घटती है। आंख कमजोर होने की आशंका होती है। इससे बच्चे के शरीर बढ़ने में भी कमी आ सकती है। बच्चे को कमजोरी महसूस होती है। इसकी खुराक नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में एमआर टीके के प्रथम और दूसरे डोज के दौरान दी जाती है । इसके बाद तीसरी से नौंवी खुराक अभियान के दौरान प्रत्येक छह माह पर दी जाती है। नौ माह से एक वर्ष तक के बच्चे को आधा चम्मच और एक वर्ष से पांच वर्ष तक के बच्चे को पूरा चम्मच दवा पिलाना अनिवार्य है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजीव वर्मन ने बताया कि जनपद में लगभग 52 लाख की आबादी है। अभियान के दौरान नौ माह से बारह माह तक के 30251 बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाने का लक्ष्य है । एक वर्ष से दो वर्ष तक के 1.13 लाख बच्चों को और दो से पांच वर्ष तक के 3.55 लाख बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी । अभियान के दौरान नौ माह से पांच वर्ष तक के कुल पांच लाख 184 बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई जाएगी। इस दौरान डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, विश्व स्वास्थ्य संगठन की एसएमओ डॉ. महिमा चतुर्वेदी, डब्लूएचओ के एसआरटीएल डॉ. विकास, एनआई संस्था की डिविजनल कोऑर्डिनेटर विद्या वर्मा, यूनिसेफ की डीआरपी ममता पाल, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगला पदी की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीता सिंह, स्टाफ नर्स गीता, एएनएम सुरभि, आशा अर्चना सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

## शादी का झांसा देकर करता रहा अनाथ युवती से बलात्कार

# जबरन कराया निजी अस्पताल में गर्भपात, पीड़िता न्याय के लिये दर-दर भटक रही है

आवाज प्लस डेस्क

**यूनियन बाणी ।** आगरा नारी तू अबला नहीं तू सबला है महिला सशक्तिकरण जिंदाबाद यह नारे आये दिन सुनने को मिलते हैं सरकार एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बात करती है वही एक महिला अपनी फरियाद लेकर धाने जाती है और थाने से उसे भगा दिया जाता है इसी तरह का प्रकरण थाना न्यू आगरा में सामने आया है जहाँ पीड़िता का मुक़दमा लिखना दूर थाने से फटकार कर भगा दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी समारोह में मुलाकात युवक से हुई उसने मोबाइल नंबर लेकर बातचीत शुरू कर दी और बातचीत के दौरान युवक ने अनाथ लड़की को अपने प्रेम जाल में फंसा कर शादी के सपने दिखाकर 3 साल तक उसके साथ रिलेशन बनालिए

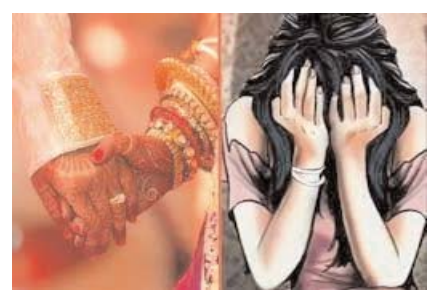

जब लड़की गर्भवती हो गई तब उस लड़की ने शादी करने से इंकार कर दिया और युवक ने गिरगिट की तरह रंग बदल दिया बताते है कि युवक ने उस अनाथ पीड़िता को चालाकी से निजी अस्पताल में गर्भपात करा दिया पीड़िता ने अपने साथ हुई घटना को लिखित तहरीर थाने लेकर पहुंची तो थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इंकार ही नहीं किया बल्कि थाने से फटकार कर भगादिया पीड़ित युवती ने राज्य महिला आयोग में शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता विद्यानगर पटवारी न्यू आगरा की रहने वाली कामिनी (काल्पनिक नाम) की है पीड़िता से वर्षों तक दुराचार करने का आरोपी मोनू चौधरी पुत्र दिनेश चौधरी निवासी नगरेला स्टेशन रोड अछनेरा बताया गया है। पीड़िता ने आयोग को दिए प्रार्थना पत्र मे कहा है कि मोनू चौधरी ने उसे कोल्डिंग में कोई नशीला पदार्थ पिला दिया और बेहोश लेकर वाटर वर्क्स स्थिति निजी अस्पताल पंहुचा जहाँ उसका गर्भपात करा दिया गया कामिनी का आरोप है कि मोनू चौधरी पूर्व में भी कई लड़कियों को हवस के शिकार बना चूका है।

# हिमाचल में इस माह सामान्य से 79 फीसदी कम बरसे बादल सभी जिलों में रहा सूखा

आवाज प्लस डेस्क

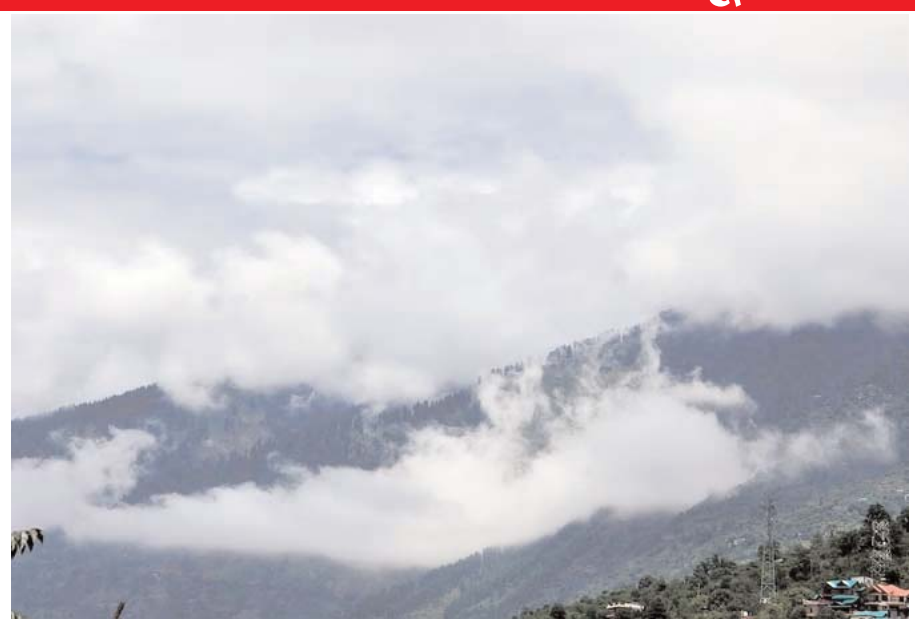

**शिमला।** मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार दिसंबर में पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने के कारण बारिश कम हुई। आने वाले दो-तीन दिनों के दौरान बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। हिमाचल में एक से 26 दिसंबर तक सामान्य से 79 फीसदी कम बादल बरसे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में सूखा रहा है। इस अवधि में 27.2 मिलीमीटर को सामान्य बारिश माना गया है, लेकिन इस वर्ष दिसंबर में अभी तक महज 5.8 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। किन्नौर से सबसे कम 99, सिरमौर में 94, हमीरपुर में 86 और शिमला में 76 फीसदी कम बारिश हुई। बिलासपुर में सामान्य से 32, चंबा में 69, कांगड़ा में 74, कुल्लू में 83, लाहौल-स्पीति में 79, मंडी में 81, सोलन में 74, ऊना में 52 फीसदी बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार दिसंबर में पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने के कारण बारिश कम हुई। आने वाले दो-तीन दिनों के दौरान बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। ऐसे में उम्मीद है कि बारिश के आंकड़ों में कुछ बढ़ोतरी दर्ज होगी।

**कुंजम दर्रा, सीबी रेंज की चोटियों पर फिर बर्फबारी**

राजधानी शिमला सहित अधिकांश क्षेत्रों में मंगलवार को हल्के बादल छाए रहे, लेकिन रोहतांग के साथ कुंजम दर्रा, सीबी रेंज की चोटियों में बर्फबारी हुई। प्रदेश के मध्यम-उच्च पर्वतीय 8 जिलों में 30-31 दिसंबर,पहली जनवरी को बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। बुधवार से 29 दिसंबर तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है। कई क्षेत्रों में नए साल से पहले पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू, चंबा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के कई क्षेत्रों में मौसम बदलने के आसार हैं। प्रदेश के उच्च पर्वतीय क्षेत्र कुकुमसेरी में सोमवार रात को न्यूनतम तापमान माइनस 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इस सीजन का प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा है। इसके अलावा सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 1.6, भुंतर में 1.1, कल्पा में 2.8, ऊना-चंबा में 4.4, सोलन में 3.2, मंडी में 1.9, कांगड़ा में 6.1, शिमला में 8.8 और धर्मशाला में 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

# जगन्नाथ जो नवीन सीई हैं-MP अमर पटनायक

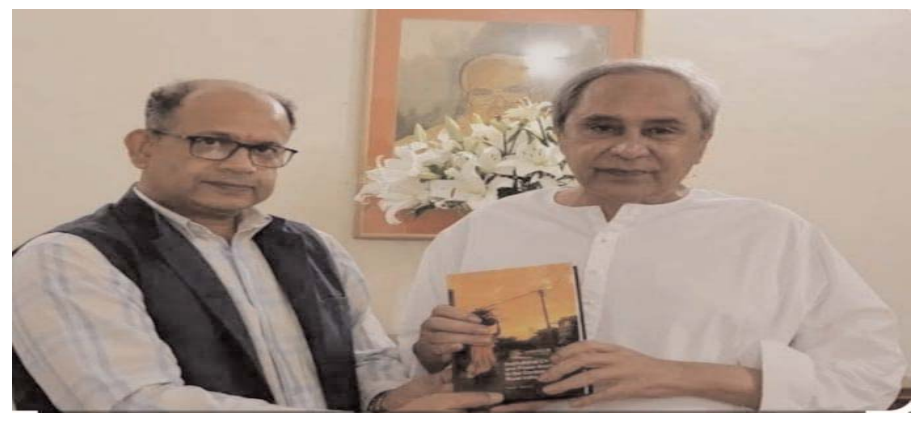

आवाज प्लस डेस्क

**ओड़िशा, भुबनेश्वर।** बीजेडी नेताओं का दिमाग खराब हो गया । कई बार तो उसे खुद भी नहीं पता होता कि वह क्या कह रहा है. अब क्योंकि बीजेडी के राज्यसभा सांसद अमर पटनायक ने सबके सामने नवीन की तारीफ करते हुए कहा, %जगन्नाथ तो नवीन पटनायक हैं ।वहीं अमर की इस तरह की टिप्पणी के बाद बीजेडी नेता को लेकर चर्चा बढ़ती जा रही है। अमर ने सभा में साफ कहा, नवीन तो स्वयं जगन्नाथ हैं। अमर ने नवीन की तुलना जगन्नाथ से क्यों की? विश्व अधिग्रहणकर्ता की तुलना बीजेडी सुप्रीम से करने की दुष्टता कैसे अमर हो गई? यह ग़लत कैसे हो गया? पहले कामिया जानी को मंदिर में प्रवेश करा कर बीजेडी सुर्खियों में थी, लेकिन अब नवीन बाबू बोलकर जगन्नाथ ने ही पार्टी के लिए सिरदर्द पैदा कर दिया है। बिजेड़ी नेता का विवादित बयान. इस बार जगन्नाथ को भी नहीं बख्शा गया. सीई और नवीन की तुलना में. वोट और सत्ता हासिल करने के लिए भाजयुमो नेताओं ने सारी हदें पार कर दी हैं। स्थान, समय और पात्र कुछ भी नहीं देखता। मन में शायद एक ही इच्छा और महत्वाकांक्षा, शीर्ष स्तर का नेता कैसे खुश रहेगा? अमर को पछतावा हुआ होगा कि उस पद की आशा में उसने कितनी बड़ी भूल की। कुल मिलाकर किसने गोमांस खाने वालों को मंदिर में भर दिया है और किसने कहा है नवीन बाबू खोद जगन्नाथ. अब नवीन बाबू को जवाब देना चाहिए कि वोट के लिए साढ़े चार करोड़ उड़िया लोगों की भावनाओं से खेलने का अधिकार बीजेडी नेताओं को किसने दिया।

## एक नज़र

### हर एक सैनिक परिवार के सदस्य के समान

आपके ऊपर कोई नजर डाले यह कतई बर्दाश्त नहीं

**जम्मू।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजोरी में सैनिकों को संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने जवानों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने पुंछ हमले में बलिदान हुए चार जवानों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही उन्हें विश्वास है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को जम्मू दौरे पर पहुंचे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व सेना के उच्च अधिकारियों ने जम्मू एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। रक्षा मंत्री के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी जम्मू आए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जमीनी हकीकत की जानकारी लेने के लिए पहुंचे। यहां से वह राजोरी के लिए रवाना हुए। रक्षा मंत्री ने राजोरी में सैनिकों को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने पुंछ हमले में बलिदान हुए चार जवानों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की। राजोरी में सैनिकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, %... हमारे लिए हर सैनिक बेहद महत्वपूर्ण है, हमारा हर एक सैनिक परिवार के सदस्य के समान है। आपके ऊपर कोई नजर डाले यह हमें कतई बर्दाश्त नहीं है। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने में सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस एजेंसी दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके लिए शासन की तरफ से जिस भी सहयोग की आवश्यकता होगी उसके लिए सरकार का खजाना खुला हुआ है. रक्षा मंत्री ने सैनिकों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सेना जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा, मुझे आपकी बहादुरी और दृढ़ता पर विश्वास है... जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद खत्म होना चाहिए और आपको इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप जीत हासिल करेंगे। इसके साथ-साथ आपको लोगों का दिल भी जीतना है।

### भारी बिजली कटौती और बिल अधिक आने के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

**उधमपुर।** बिजली कटौती और अधिक बिजली बिल आने की परेशानी को लेकर मंगलवार को पैंथर्स पार्टी ने बिजली विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं सहित काफी संख्या में आसपास के इलाकों से आए ग्रामीण भी शामिल थे। सभी ने भारी बिजली कटौती और बिजली के बिल अधिकक भेजे जाने के मामले पर कड़ा रोष जताया और बिजली विभाग होश में आओ स्मार्ट मीटर हाय- हाय बिजली बिलों में हेराफेरी बंद करे बिजली की पूर्ति पूरी करो इत्यादि नारे लगाए। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर बिजली बिलों में हो रही हेराफेरी को बंद नहीं किया गया तो वह लोगों को साथ लेकर विभाग के कार्यालय के बाहर धरना देने पर मजबूर हो जाएंगे। वहीं, प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पार्टी अध्यक्ष हर्ष देव सिंह ने कहा कि बिजली विभाग की तरफ से जिस तरह से बिजली बिलों के नाम पर उधमपुर जिले के लोगों को लूटा जा रहा है, वह असहनीय है। बिजली कटौती इतनी ज्यादा है कि जिसका कोई हिसाब नहीं हैं। कहीं-कहीं लोगों के घरों में बिजली के कनेक्शन तक नहीं लगे हैं और बिजली विभाग उनके घरों में 9-9 हजार रुपये तक के भारी भरकम बिजली बिल भेज रहा है।

# किराये पर चल रहे छह कार्यालय सरकारी भवनों में चलेंगे 10 लाख रुपये की होगी बचत

आवाज प्लस डेस्क

**शिमला।** मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि रकारी कार्यालयों के लिए किराये के आवास पर खर्च किए जा रहे प्रति माह 10 लाख रुपये से अधिक के धन की बचत होगी। हिमाचल सरकार ने प्रदेश के प्रमुख सरकारी विभागों को खाली पड़ी टूटीकंडी इमारत में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग, आबकारी एवं कराधान विभाग, हिमाचल प्रदेश राज्य खाद्य आयोग, ऊर्जा निदेशालय और हिमाचल प्रदेश पुलिस महानिदेशक कार्यालय के आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली को जनवरी 2024 तक किराये के आवासों से टूटीकंडी पार्किंग कांप्लेक्स शिमला में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। इस निर्णय का उद्देश्य लंबे समय से खाली पड़े भवन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ सार्वजनिक खर्चों में भी कटौती भी करना है। बुधवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में पुलिस हेल्पलाइन का कार्यालय पहले से ही बहुमंजिला पार्किंग टूटीकंडी में कार्यशील है और अब छह अतिरिक्त विभाग इस इमारत से संचालित होंगे। प्रदेश सरकार जनता के धन का उचित उपयोग सुनिश्चित कर रही है। सरकार के इस निर्णय से सार्वजनिक धन से निर्मित भवन का उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ इन सरकारी कार्यालयों के लिए किराये के आवास पर खर्च किए जा रहे प्रति माह 10 लाख रुपये से अधिक के धन की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित विभागों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप भवन की आंतरिक सज्जा की जरूरतों को देखा लोक निर्माण विभाग ने कार्यालयों की आवश्यकता के अनुरूप भवन में परिवर्तन कर इसे कार्यालय के रूप में उपयोग के लिए तैयार किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इन छह विभागों को नए भवन में कामकाज शुरू करने के लिए शीघ्र बिजली और पानी के कनेक्शन देने के लिए आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि सार्वजनिक धन से निर्मित कम उपयोग वाली इमारत का सदुपयोग करना सरकार की फिजूलखर्ची को कम करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## यूटर्न ले रही कार से तेज रफ्तार बाइक की टक्कर, 10वीं के छात्र की मौत

आवाज प्लस डेस्क

**ऊधम सिंह नगर।** रुद्रपुर में यूटर्न ले रही कार से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार छात्र की मौत हो गई जबकि छात्रा घायल है। छात्रा का इलाज चल रहा है। सिडकुल चौकी क्षेत्र में ओमेक्स रोड पर यूटर्न ले रही कार से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार छात्र की मौत हो गई जबकि छात्रा घायल है। छात्रा का इलाज चल रहा है। मूलरूप से अलियापुर थाना बकेबर इटावा और हाल मेट्रोपोलिस सिटी निवासी जयदेव यादव सिडकुल की एक बिस्किट कंपनी में जीएम हैं। पुलिस के अनुसार सोमवार रात जयदेव का बेटा निखिल यादव (16) बुलेट से ओमेक्स कॉलोनी की ओर से आ रहा था। बुलेट के पीछे एक किशोरी बैठी हुई थी। ओमेक्स कॉलोनी रोड पर मेट्रोपोलिस गेट नंबर दो के सामने यूटर्न ले रही कार से बुलेट की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बुलेट चला रहा निखिल और पीछे बैठी किशोरी घायल हो गई। आननफानन दोनों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने निखिल को मृत घोषित कर दिया। निखिल एक निजी स्कूल में दसवीं का छात्र था। सूचना पर सिडकुल चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार कार को युवती चला रही थी और बुलेट की गति तेज थी। घायल किशोरी की हालत खतरे से बाहर है। निखिल के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया गया है। इधर सूचना पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और परिजनों को ढाढ़स बंधाया। बताया कि पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर इटावा चले गए।

# ASI ने किया बड़ा खुलासा, लखुडियार की गुफाएं खोलेंगी आदि मानव कालीन रहस्य, यहां जानें सबकुछ

आवाज प्लस डेस्क

**अल्मोड़ा।** अल्मोड़ा की लखुडियार गुफा के पास आदि मानवों की एक नहीं, कई गुफाएं मौजूद हैं, जिनमें प्राचीन सभ्यता के कई रहस्य छुपे हैं। इनकी जल्द खोज शुरू होगी। एएसआई ने इसका खुलासा करते हुए इन रहस्यों से जल्द पर्दा उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। अल्मोड़ा जिले में प्रागैतिहासिक काल की लखुडियार गुफा के पास आदि मानवों की एक नहीं, कई गुफाएं मौजूद हैं, जिनमें प्राचीन सभ्यता के कई रहस्य छुपे हैं। इनकी जल्द खोज शुरू होगी। एएसआई ने इसका खुलासा करते हुए इन रहस्यों से जल्द पर्दा उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के मुताबिक अल्मोड़ा से 13 किमी दूर पिथौरागढ़ हाईवे पर पेटशाल और बाड़ेछीना के बीच प्रागैतिहासिक काल की आदि मानव निर्मित कई गुफाएं हैं। पूर्व में यहां आदि मानवों की एक गुफा की खोज हो चुकी है। एएसआई का दावा है कि यहां ऐसी कई गुफाएं हैं जो हजारों साल पहले आदि मानवों का डेरा थीं। इन गुफाओं में प्राचीन सभ्यता के कई रहस्य छिपे हैं। एएसआई ने प्रागैतिहासिक काल की गुफाओं की खोज कर प्राचीन सभ्यता के अनसुलझे रहस्यों से पर्दा उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। जनवरी में एएसआई लखुडियार क्षेत्र के 15 किमी दायरे में गुफाओं की खोज का अभियान चलाएगी। पूर्व में हुए सर्वे में एएसआई ने क्षेत्र में तीन गुफाएं तलाशी थीं, जहां आदि मानवों के रहने के प्रमाण मिले हैं। लखुडियार क्षेत्र में आदि मानवों की कई गुफाएं होने के प्रमाण मिले हैं जिनकी खोज के लिए जल्द अभियान चलेगा। जनवरी से टीम क्षेत्र में काम शुरू होगा। इन गुफाओं की खोज के बाद प्राचीन सभ्यता के कई रहस्यों से पर्दा उठेगा।

# इंदौर से रूठी ठंड पूस की रात में भी कड़ाके की सर्दी के आसार कम

आवाज प्लस डेस्क

**इंदौर।** ऐसा लगता है कि मौसम भी अपना रास्ता भटक गया है। दिसंबर माह में अंत में पड़ने वाली ठंड तो अकल्पनीय हुआ करती थी। कोल्ड डे (10 डिग्री से न्यूनतम) के पैमाने पर पारे का जाना, सीवियर कोल्ड डे जो कोल्ड से भी ठंडे होते हैं, उस स्तर पर ठंड का पहुंचना अभी कठिन ही लग रहा है। महान कहानीकार प्रेमचंद ने वर्ष 1921 में पौष माह की कड़ाके की ठंड को सहकर पूस की रात कहानी लिखी थी। तब कितनी जबरदस्त ठंठ रही होगी, जब उनके मन में ठंड और खेत में काम करते किसान की मनोदशा को लिखने का भाव जागा था। 27 दिसंबर बुधवार से पूस या पौष माह आरंभ हो गया है, परंतु पूस की रातें ठंडी होने के आसार बहुत कम हैं। अभी तो रात्रि में गर्मी का अहसास होता है और मद्म गति पर पंखे चलाने की मजबूरी प्रतीत हो रही है।

शायराना अंदाज में कहें तो कह सकते हैं कि %दिसंबर तुम तो इतने बेवफा नहीं थे%। पता नहीं मौसम को क्या हुआ, जो ठंड में भी गर्म वातावरण कर किस बात का बदला ले रहा है। खेतों में गेहूं और चने की फसलें ठंड और उसमें गिरती ओस और चने के नन्हे-नन्हे पौधों तथा गेहूं की बालियों पर चमकती नन्ही-नन्ही बूंदें सुनहरे मोतियों का अहसास कराने के लिए बेताब हैं। ऐसा लगता है कि मौसम भी अपना रास्ता भटक गया है। दिसंबर माह में अंत में पड़ने वाली ठंड तो अकल्पनीय हुआ करती थी। कोल्ड डे (10 डिग्री से न्यूनतम) के पैमाने पर पारे का जाना, सीवियर कोल्ड डे जो कोल्ड से भी ठंडे होते हैं, उस स्तर पर ठंड का पहुंचना अभी कठिन ही लग रहा है। कड़ाके की ठंड नहीं पड़ने पर मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि हवाओं ने रुख बदला और ठंड रफूचक्कर हो गई है। खैर जो भी हो अभी तो गर्म वस्त्रों को आराम ही फरमा लेने दें।

इंदौर में 1936 में 27 दिसंबर को अभी तक का सबसे न्यूनतम पारा 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अंदाज लगाया जा सकता है कि 87 साल पहले आज का दिन कितना ठंडा रहा होगा मालवा का इंदौर, उसकी कल्पना से ही ठंड लगने लगती थी। अब तो ठंड के लिए भी लोग तरसने लगे हैं। 2014 में 17 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था, यानि सीवियर कोल्ड डे था। अब ये ठंड के दिन मानों गायब हो गए हैं। इस वर्ष पूरे दिसंबर माह में न्यूनतम तापमान 20 दिसम्बर को 11.4 डिग्री सेल्सियस तक जाकर ठहर गया। अब इंतजार है कड़ाके की ठंड का लोग अपने घरों में हीटर, सिगड़ी और अलाव जला सकें, दूध के गर्म गर्म कड़ाव पर लोग दूध और जलेबी का स्वाद ले सकें, गजक खाकर थोड़े गर्म हो जाएं। दिसंबर की धूप सुनहरी लगा करती थी। वह भी अब कुछ समय के बाद चुभने लगती है। दिसंबर तुम जो जा रहे हो, लेकिन जाते जाते जनवरी को कह जाना कि मेरी कमी को तुम पूरा कर देना ताकि जनमानस मुझे उलाहना न दे। यदि अमर साहित्यकार प्रेमचंद होते तो आज के लोग उनसे पूस की ठंडी रातों के गायब होने की शिकायत करते।

### पांच सालों में दिसंबर में न्यूनतम तापमान

| न्यूनतम तापमान | तारीख | वर्ष |
|---|---|---|
| 11.4 | 20 | 2023 |
| 10.1 | 8 | 2022 |
| 6.5 | 20 | 2021 |
| 8.0 | 29 | 2020 |
| 6.6 | 28 | 2019 |

# यूपी योद्धाज घरेलू मैदान पर धमाकेदार प्रदर्शन के लिए तैयार 29 दिसंबर से शुरू होगा होम लेग

यूपी योद्धाज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की। वर्तमान में, दो जीत और एक टाई के साथ तालिका में दसवें स्थान पर मौजूद योद्धा अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन पर सवार होकर बदलाव का लक्ष्य रखेंगे।

दिल्ली एनसीआर में कबड्डी का बुखार बढ़ने वाला है क्योंकि प्रो कबड्डी लीग में उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली यूपी योद्धाज एक बार फिर अपने घरेलू मैदान पर लौटने की तैयारी कर रही है। योद्धाज अपने घरेलू मैदान पर 2 सीजन के लंबे इंतजार के बाद खेलन को लेकर काफी उत्सुक हैं। यूपी योद्धाज ने आज अपने घरेलू स्टेडियम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने होम लेग की घोषणा की। योद्धाज, अपने घरेलू दर्शकों के सामने चार रोमांचक मुकाबले खेलेंगे। 29 दिसंबर, 2023 को योद्धाज बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ होम लेग की शुरूआत करेंगे।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 के सभी 11 खेलों के टिकट पेटीएम इनसाइडर एप्लिकेशन और वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, प्रशंसक सीधे गेट नंबर 5 पर स्थित बॉक्स ऑफिस से भी टिकट खरीद सकते हैं। सभी दिन सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक प्रशंसक टिकट खरीद सकते हैं। टिकटों की कीमत

मात्र 150 रुपये है।

29 दिसंबर 2023 को होम लेग की शुरुआत से पहले बोलते हुए, पीकेएसवी सागर ने कहा, ÷हम अपने होम लेग, नोएडा में प्रो कबड्डी लीग का स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं। मुझे उम्मीद है कि शहर के प्रशंसकों को स्टेडियम से अपनी पसंदीदा टीम को लाइव खेलते हुए देखकर रोमांचक अनुभव मिलेगा। इस बार हमने टिकटों की कीमत भी बहुत उचित दर पर रखी है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कबड्डी प्रशंसक बड़ी संख्या में आएं। हम प्रो कबड्डी लीग के एक शानदार और सफल नोएडा चरण की कामना करते हैं।

यूपी योद्धाज के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, ÷टूर्नामेंट से पहले जीएमआर स्पोर्ट्स की हमारी दो अकादमियों में हमारे पास 50 दिनों का उपयोगी प्रशिक्षण सत्र था। लीग के शुरुआती दिनों में चोटों के कारण हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब टीम पूरी तरह से फिट है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। लीग का 70 प्रतिशत से अधिक मैच अभी बाकी है। हम आने वाले दिनों में अपनी बढ़त फिर से हासिल करने के लिए आश्वस्त हैं। जीएमआर समूह हमेशा हमारा समर्थन करता रहा है और हम अपने प्रशंसकों को खुश और गौरवान्वित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, यूपी योद्धाज के कप्तान, प्रदीप नरवाल ने कहा, ÷मैं अपने घरेलू दर्शकों के सामने यूपी योद्धाज के कप्तान के रूप में अपने पहले अनुभव का इंतजार कर रहा हूं। मुझे विश्वास है कि हम एक टीम के रूप में अपना योगदान देंगे।÷ अपने प्रशंसकों को खुश देखने का ये सबसे अच्छा मौका होगा ।

इस अवसर पर बोलते हुए, सुरेंदर गिल, रेडर, यूपी योद्धाज ने कहा, ÷यह अब तक एक मिश्रित सीजन रहा है। घरेलू दर्शकों के सामने हर मुकाबला रोमांचित रखने का पूरा प्रयास करेंगे। एक टीम के रूप में हम कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। मैं घरेलू चरण में हमारे लिए अनुकूल नतीजों को लेकर सकारात्मक हूं।

यूपी योद्धाज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की। वर्तमान में, दो जीत और एक टाई के साथ तालिका में दसवें स्थान पर मौजूद योद्धा अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन पर सवार होकर बदलाव का लक्ष्य रखेंगे। सुरेंद्र गिल योद्धाज के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे हैं। गिल सबसे सफल रेड (56) और सबसे अधिक रेड पॉइंट (75) के साथ सूची में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्हें डबकी-किंग परदीप नरवाल का अच्छा समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने अपनी महानतम प्रदर्शन किया है। इस सीजन में अब तक 43 रेड अंक हासिल प्राप्त किए किए हैं। योद्धाज की रक्षा का ध्यान नितेश कुमार, गुरदीप और सुमित की तिकड़ी ने अच्छी तरह से रखा है, जिनके पास क्रमशः 22, 19 और 17 टैकल पॉइंट हैं। घरेलू दर्शकों को इन खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी और उम्मीद होगी कि योद्धा जीत की राह पर लौटेंगे।

# जगरेब जाएंगे भारतीय पहलवान ओलंपिक के साल में तैयारी पर होगा पूरा जोर

21 दिसंबर को कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह महासंघ के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने उसी दिन नंदिनीनगर (यूपी) में अंडर-15, 20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराने की घोषणा की थी। खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित किए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन कर दिया। भूपिंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता में यह समिति कुश्ती महासंघ का कार्यभार संभालेगी। समिति के सदस्यों में पूर्व हॉकी ओलंपियन एमएम सोमाया और राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर शामिल हैं। बाजवा महासंघ की पिछली तदर्थ समिति के भी सदस्य थे। तदर्थ समिति का चेयरमैन बनते ही बाजवा ने घोषणा कर दी कि अगले माह सबसे पहले जूनियर और

सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराई जाएगी। इसके बाद ओलंपिक क्वालिफाइंग की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर लगाया जाएगा।

**मंत्रालय ने समिति गठित करने को कहा था**

21 दिसंबर को कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह महासंघ के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने उसी दिन नंदिनीनगर (यूपी) में अंडर-15, 20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराने की घोषणा की थी। 24 दिसंबर को मंत्रालय जल्दबाजी में लिए गए इसी फैसले को आधार बनाते हुए महासंघ को निलंबित कर दिया था। साथ ही आईओए से महासंघ का काम देखने के लिए तदर्थ समिति गठित करने का आग्रह किया था।

**पहलवानों की तैयारी होगी प्राथमिकता**

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आईओए को महासंघ की ओर से अपने ही संविधान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सुशासन की नीति के खिलाफ लिए फैसलों की जानकारी है। यह महासंघ के अंदर शासन संबंधी अंतर को दर्शाता है। आईओए निष्पक्ष खेल, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आईओसी की ओर से खिलाड़ियों के हितों की रक्षा सुनश्चित करने के लिए तदर्थ समिति के गठन का फैसला ले रही है। समिति महासंघ के कार्यों के अलावा पहलवानों के चयन, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी एंट्री, खेल गतिविधियां चलाएगी, साथ ही महासंघ के बैंक एकाउंट और वेबसाइट के संचालन के अलावा अन्य गतिविधियों को अंजाम देगी। बाजवा ने कहा कि यह ओलंपिक वर्ष है। इसकी तैयारियां उनकी प्राथमिकता होगी।

**रैंकिंग टूर्नामेंट में जगरेब जाएगी टीम**

यही नहीं 10 से 14 जनवरी को जगरेब (क्रोएशिया) में होने वाले रैंकिंग टूर्नामेंट में भारतीय टीम को भी भेजने की तैयारी कर ली गई है। इस टूर्नामेंट में एशियाई खेलों में भाग लेने वाली टीम को भेजा जाएगा। एशियाड में बजरंग भी खेलने गए थे, लेकिन इस टूर्नामेंट के लिए उनकी उपलब्धता को देखी जाएगी। यही नहीं महासंघ के चुनाव से पहले कार्यभार देख रही तदर्थ समिति ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी रेलवे को दी थी। यह चैंपियनशिप नौ जनवरी से जयपुर में होनी थी। इस चैंपियनशिप को फिर से जयपुर में कराने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं।

# इस विश्व कप में टूटे सभी रिकॉर्ड, एक लाख करोड़ मिनट तक देखे गए मैच; आईसीसी ने जारी किए आंकड़े

आईसीसी ने वनडे विश्व कप 2023 से जुड़े सभी आंकड़े जारी कर दिए हैं और ये आंकड़े हैरान करने वाले हैं। पहली बार किसी विश्व कप को एक लाख करोड़ मिनट तक देखा गया है। भारत में आयोजित होने वाला क्रिकेट विश्व कप 2023 आईसीसी का अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट था। इस विश्व कप ने प्रसारण और डिजिटल पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह आईसीसी का पहला टूर्नामेंट था, जिसे एक लाख करोड़ (एक ट्रिलियन) मिनट से ज्यादा देखा गया। इसमें वर्टिकल वीडियो फीड जैसी नई तकनीक का योगदान भी अहम है। भारत में 2011 में खेले गए विश्व कप की तुलना में इस विश्व कप को 38त्न ज्यादा देखा गया। वहीं, 2019 में इंग्लैंड में हुए पिछले विश्व कप की तुलना में 17त्न की बढ़त देखी गई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया फाइनल मैच सबसे ज्यादा देखा जाने वाला क्रिकेट मैच बना। इसे विश्व स्तर पर 87.6 बिलियन मिनट तक देखा गया। यह 2011 से 46त्न अधिक था। भारतीय फैंस ने अकेले डिज्नी स्टार नेटवर्क पर 422 बिलियन मिनट तक मैच देखे। यह 2011 से 54त्न और 2019 से 9त्न ज्यादा था। इस में महिला दर्शकों की संख्या 2011 की तुलना में 32त्न से बढ़कर 34त्न हो गई। भारत के बाहर इंग्लैंड में 800 घंटे तक लाइव मैच देखे गए। 5.86 अरब मिनट ज्यादा था। ऑस्ट्रेलिया ने 602 घंटों के लाइव कवरेज से 3.79 बिलियन मिनट देखने में योगदान दिया, जो 2011 से 92त्न की वृद्धि दर्शाता है। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के कारण 2023 विश्व कप देखने के लिए 9.1 मिलियन लोग आए, जो 2019 से तीन मिलियन अधिक है। पाकिस्तान ने भी अभूतपूर्व दर्शक संख्या हासिल की, कुल 237.12 बिलियन मिनट तक दर्शकों ने लाइव मैच देखे। डिज्नी हॉटस्टार ने इस विश्व कप को भारत में फ्री में दिखाने का फैसला किया था। इसके वजह से सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मैच का रिकॉर्ड चार बार टूटा। अंत में फाइनल में अविश्वसनीय रिकॉर्ड बना। रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला डिजिटल मोर्चे पर भी जारी रहा और आश्चर्यजनक रूप से 16.9 बिलियन वीडियो व्यूज के साथ यह अब तक का सबसे अधिक डिजिटल रूप में देखा गया आईसीसी इवेंट बन गया। 2023 विश्व कप ने ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट से 158त्न की भारी वृद्धि के साथ 2022 टी20 विश्व कप को पीछे छोड़ दिया। %इट टेक्स वन डे% प्रीव्यू शो से लेकर विशेष पर्दे के पीछे के दृश्य तक दर्शकों ने इस टूर्नामेंट से जूड़ी हर चीज को पसंद किया। सोशल मीडिया पर, अफगानिस्तान के खिलाफ ग्लेन मैक्सवेल की मैराथन पारी और दर्द से जूझने की घटना को 50 मिलियन से अधिक बार देखा गया। विराट कोहली भी बहुत पीछे नहीं रहे, उनके आदर्श सचिन तेंदुलकर के साथ गले मिलने के वीडियो ने उनके वनडे शतकों के रिकॉर्ड (78 मिलियन व्यूज) को तोड़ने के बाद इंस्टाग्राम पर 40 मिलियन व्यूज बटोरे। कोहली ने टूर्नामेंट के दौरान एक विकेट भी लिया, जिसे इंस्टाग्राम पर 39 मिलियन बार देखा गया। मेटा ने आईसीसी के साथ साझेदारी की थी, जिसमें खिलाड़ियों से जुड़ी मजेदार बातें दिखाई गई थीं।

# किष्किंधा में हनुमान से मिले थे भगवान श्री राम

किष्किंधा के पूरे रास्ते में आपको पहाड़ियां दिखती हैं और हरे-भरे खेत और नारियल से लदे-फदे खेत। इस इलाके की ग्रेफाइट चट्टानें भी ऐसी विशेष हैं कि पूरे देश में उनकी मांग है, लिहाजा रास्ते में आपको पत्थर तोड़ते मजदूर भी नजर आते हैं। किष्किंधा की चर्चा काफी विस्तार से बाल्मिकी रामायण में की गई है। सीताजी की तलाश में जब राम इस इलाके में पहुंचे तो बरसात की ऋतु शुरू हो चुकी थी। अब कोई चारा नहीं कि राम और लक्ष्मण इसी दण्डकारण्य में समय बिताएं। दण्डकारण्य में ही उन्होंने एक गुफा में शरण ली। फिर कुछ महीने एक मंदिर में रुके। यहीं उनकी मुलाकात जब हनुमान से हुई। प्राचीन भारत में ये सुग्रीव और बाली जैसे ताकतवर वानरों की नगरी थी। आज भी यहां बड़ी संख्या में वानर दिखते हैं। हर तरह के वानर ललमुंहे और काले मुंह वाले दोनों। यहां के वानरों और वासिंदों के बीच अजीब दोस्ती भी देखने को मिलती है। बाली जिस गुफा में रहता था, वह गुफा भी आकर्षण का केंद्र है। यह अंधेरी, लेकिन काफी लंबी-चौड़ी गुफा है। जहां एक साथ कई अंदर जा सकते हैं। इसी गुफा से ललकार कर राम ने बाली को निकाला। जब उनके हाथों बाली की मृत्यु हो गई तो सुग्रीव को राजपाट सौंपा गया यानी यहां रामायण में उल्लेख हुई ढेरों बातें देखने को मिल जाएंगी। इससे पहले सुग्रीव अपने भाई बाली से डरकर ऋष्यमूक पर्वत पर रहता था, जो आज भी यहां मौजूद है। वहां वह बाली से इसलिए सुरक्षित था, क्योंकि बाली को एक ऋषि ने शाप दिया था कि वह अगर ऋष्यमूक पर्वत पर चढ़ेगा तो मारा जाएगा। इसी पर्वत पर हनुमान ने राम और सुग्रीव की दोस्ती कराई थी। यहां पहुंचने के लिए कर्नाटक के होसपेट रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। जो यहां से करीब है। किष्किंधा में रुकने के लिए अच्छे होटल हैं। बेल्लारी और बेंगलुरु से यहां सड़क मार्ग के जरिए भी पहुंचा जा सकता है। किष्किंधा घूमने के लिए एक दिन पर्याप्त होता। लेकिन यह जगह ऐसा सर्किट है, जहां आने के बाद आपको समीपवर्ती नगरों हम्पी और बदामी भी जरूर जाना चाहिए। जो हमारे गौरवशाली इतिहास की भव्य झलक

# दुनिया के छह ऐसे हाइवे जो हैं अपने खतरनाक टर्न और एडवेंचर के

अगर आप भी एडवेंचर के शौकीन हैं तो दुनिया के इन हाइवे का एक्सपीरियंस लेना तो बनता है। ऊंचे-ऊंचे टेढ़े-मेढ़े इन रास्तों से गुजरना खतरनाक होने के साथ ही यादगार भी होता है। ट्रैवलिंग और शॉपिंग दो ऐसे काम हैं जिनसे बॉडी रिलैक्सिंग के साथ ही माइंड भी फ्रेश होता है और जब सफर एडवेंचर से भरा हो तब तो इसका मजा दोगुना हो जाता है। कार में बैठकर फुल स्पीड से हाईवे पर ड्राइविंग करना वाकई एक्साइटिंग होता है। सड़क के किनारों के खूबसूरत नजारों को देखना और दूर तक निगाहों में बस सड़क एक अलग ही एक्सपीरियंस देती है। दुनिया में ऐसी बहुत सारी जगहें हैं जहां जाने पर सांसें थम-सी जाती हैं, सफर खतरों से भरा होता है, लेकिन ट्रैवलिंग के शौकीन और खतरों के खिलाड़ी ही ऐसी जगहों का असली मजा उठा पाते हैं। आज 10 खतरनाक हाईवे के बारे में जानेंगे जो खूबसूरत होने के साथ ही एक्साइटिंग भी हैं।

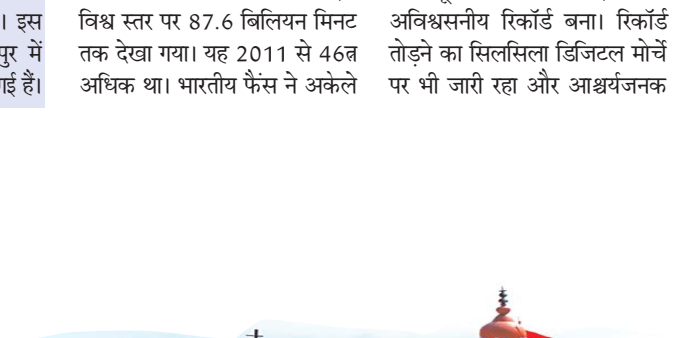

**अटलांटिक ओशियन रोड, नॉर्वे:** अटलांटिक ओशियन रोड कई आइलैंड से मिलकर बना है जो एक शहर को दूसरे शहर से जोड़ता है। नार्वे का कंट्री रोड 64 आर्किटेक्चर द्वारा बनाया गया है जो बहुत ही खूबसूरत है। नदी के बीचों-बीच रोलर-कोस्टर जैसे हाईवे से गुजरने का एडवेंचर ही अलग होता है और इसी वजह से ये ट्रैवल लवर्स का भी फेवरेट है। यहां ऐड से लेकर हॉलीवुड और बॉलीवुड फिल्मों तक की शूटिंग भी हो चुकी है। इस हाईवे पर ड्राइव करते वक्त कई बार व्हेल और सील भी देखने को मिल सकती हैं।

**रोहतांग पास, इंडिया:** भारत का रोहतांग पास भी बहुत ही खतरनाक और एडवेंचरस हाईवे की लिस्ट में शामिल है। आसपास हरे-भरे जंगल, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदियां और ग्लेशियर के बीच इस रोड से गुजरने का एक्सपीरियंस वाकई बहुत अलग होता है। लेकिन ये हाईवे मई से लेकर नवंबर तक ही खुला रहता है। उस दौरान दूर-दूर से आए टूरिस्टों को यहां के खुशगवार मौसम और खूबसूरत नज़ारों का मजा लेते हुए देखा जा सकता है। गर्मियों के दौरान इस हाईवे पर काफी भीड़ होती है। सेना की गाड़ियों के अलावा बड़े-बड़े ट्रक भी इस हाईवे से गुजरते हैं।

**हाना हाईवे, माउई:** माउई का हाना हाईवे भी ट्रैवलर्स के फेवरेट लिस्ट में शामिल है, क्योंकि यहां ड्राइविंग एक्साइटिंग होने के साथ ही एडवेंचर से भी भरपूर है। 84 किमी लंबे इस हाईवे पर गुजरते हुए यहां की नेचुरल ब्यूटी और हरे-भरे जंगलों को देखा जा सकता है, जो सफर को यादगार बनाता है। छोटी और घुमावदार इस सड़क पर ड्राइव करते वक्त खास ध्यान रखना पड़ता है। जरा-सी चूक हादसे का सबब बन सकती है। इस हाईवे पर गुजरने के दौरान लगभग 600 मोड़ और 59 ब्रिज मिलते हैं। इनमें से कई ब्रिज 100 साल से भी पुराने हैं।**नेशनल रूट 40:** नेशनल रूट 40 या रूटा 40 भी ऐसे ही एडवेंचर वाले हाईवे में से एक है, जहां से गुजरते हुए कई नदियों और पहाड़ों का नजारा देखा जा सकता है। इस रूट पर लगभग 20 नेशनल पार्क भी हैं। इस हाईवे पर जुटने वाली भीड़ खासतौर से आसपास के नेचुरल व्यू को देखने आती है। **यूएस 1 हाईवे:** यूएस के इस खूबसूरत और लंबे हाईवे पर गुजरते हुए यही ख्याल आता है कि सफर कभी खत्म ही न हो। मेयाने से फ्लोरिडा तक का सफर इस हाईवे से बहुत ही कम समय में तय किया जा सकता है। ब्लू वाटर में कोरल लीव्स और आइलैंड का व्यू जर्नी को हैपनिंग बनाते हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
आवाज प्लस
समाज में प्रभावी आगाज़
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक संजीव श्रीवास्तव द्वारा एफ एफ 01, बसंत बिहार कॉलोनी, दुबग्गा, लखनऊ- 226003 (उ0प्र0) भारत से मुद्रित व अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, बी 5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
**सम्पादक - संजीव श्रीवास्तव**

हिंदी दैनिक आवाज प्लस में प्रकाशित किसी भी प्रकाशित सामग्री से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं। आवाज प्लस से संबंधित किसी भी प्रकार का विवादों का न्यायिक क्षेत्र सिर्फ लखनऊ न्यायालय की मान्य होगा।

**प्रबन्ध कार्यकारिणी**
सम्पादकीय प्रभारी - अमित त्यागी
प्रशासनिक प्रभारी - अभिषेक सिंह
कार्यकारिणी सम्पादक - सुदीप द्विवेदी
सह सम्पादक - अल्तमश खान
प्रबन्ध निदेशक - नितेश सिंह राठौर
विधि सलाहाकार - रोशन खत्री

**प्रशासनिक कार्यालय**
**आवाज प्लस मीडिया हाउस**
256 बी, एलडीए कॉलोनी कॉलोनी, लखनऊ 226012 उत्तर प्रदेश (भारत)
संपर्क नंबर -8009927772